हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 24 दिसंबर 2023

तापमान

अधिकतम 21.8 डिग्री
न्यूनतम 5.3 डिग्री

11 नागरिक गीता के ज्ञान को जीवन शैली का बनाएं ...

12 मौसम में बदलाव, सुबह छाई धुंध तो शाम को बादल

शहर में आज

- पीजीआईएमएस में सफाई कर्मचारियों के लिए स्कील टेस्टिंग सर्टिफिकेट कोर्स सुबह 10 बजे से
- दिल्ली रोड पर डीएवी स्कूल में विंटर कर्निवल सुबह 10 से 5 बजे तक
- पहरावर गोशाला में सांग की तैयारियों को लेकर बैठक 12 बजे
- छोटूराम चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 11.30 बजे

बिजली कट

सुबह 10 से 12 बजे तक

सांपला इंडस्ट्री नम्बर-2, गांधरा आरडीएस, गांधरा रोड इंडस्ट्री, सिंगाल स्ट्रीप इंडिस्ट्री, अबंटु हॉस्पिटल, दिल्ली रोड, खरावड़, यूपीएस इंडस्ट्री, अटाल एपी, खेड़ी साध की बिजली बाधित रहेगी।

सुबह 8 से 10 बजे तक

टिटौली चौक के आसपास इंडस्ट्रियल एरिया, समरगोपाल खुर्द आदि।

खबर संक्षेप

मदविः परीक्षा तिथि में किया बदलाव

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की एमएड तीसरे सेमेस्टर के पेपर इंस्टीट्यूशनल प्लानिंग एंड मैनजमेंट तथा बीटेक पांचवें सेमेस्टर जी स्कीम के पेपर-इलेक्ट्रोनिक मेजरमेंट एंड इंस्ट्रूमेंटेशन की परीक्षा की आयोजन तिथि में बदलाव किया गया है। अब एमएड तीसरे सेमेस्टर के पेपर इंस्टीट्यूशनल प्लानिंग एंड मैनजमेंट की परीक्षा 6 जनवरी को तथा बीटेक पांचवें सेमेस्टर जी स्कीम के पेपर-इलैक्ट्रोनिक मेजरमेंट इंस्ट्रूमेंटेशन की परीक्षा 1 जनवरी को आयोजित की जाएगी।

24 से 26 तक होगा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय का सांख्यिकी विभाग 24 से 26 दिसंबर तक- स्टैटिसटिक्स, डाटा साइंस एंड रिलॉयबिलिटी एक्सप्लोरिंग ट्रेंड्स, मैथेड्स एंड एप्लीकेशन्ज विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करेगा। सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के कंवीनर प्रो. एससी मलिक ने यह जानकारी दी है। सम्मेलन 24 दिसंबर को एमडीयू के आईएचटीएम सभागार में होगा।

चोरी के मामलों में तीन आरोपित गिरफ्तार

रोहतक। जिला पुलिस ने अलग अलग चोरी के मामलों में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनसे पूछताछ की जा रही है। थाना शिवाजी कॉलोनी ने बताया कि नई राजेन्द्रा कॉलोनी अनाज मंडी निवासी पवन की शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि 4 अक्तूबर 2023 की रात को धवन के घर के अंदर से दो मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, एसएसबी का आई कार्ड, एक एलईडी व पवन के अन्य निजी कागजात चोरी कर लिए गए। मामले में हिमांशु निवासी फतेहपुर कॉलोनी को गिरफ्तार किया गया है।

सांपलाः कुएं में मिला अधेड़ का शव

सांपला। गांव कुलताना में शनिवार को एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति का शव कुएं में मिला है। जिसकी पहचान निवासी प्रदीप के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया। गांव के नजदीक पुराना कुआ है। शनिवार को गांव के एक व्यक्ति ने कुएं में शव पड़ा नजर आया।

श्रम मंत्री अनूप धानक के निरीक्षण के बाद नगर निगम हरकत में

शहर में कूड़ा उठाने का अभियान शुरू 49.67 लाख से होगी नाले की मरम्मत

- तीन दिन पहले राज्य मंत्री ने किया था शहर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण
- सीएम मनोहर लाल की तरफ से भेजा गया था मंत्री को
- दोबारा निरीक्षण करने आएंगे राज्य मंत्री अनूप धानक

विजय अहलावत ▶▶| रोहतक

राज्य मंत्री अनूप धानक के औचक सफाई निरीक्षण के बाद नगर निगम हरकत में आ गया है। जिन जगहों पर मंत्री ने तीन दिन पहले सफाई करने के आदेश जारी किए गए थे, वहां विशेष सफाई अभियान शुरू हो गया है। शहर की प्रमुख सड़कों, बाजार और महत्वपूर्ण जगहों से गंदगी हटाई जा रही है। इसके लिए अतिरिक्त कर्मचारी लगाए गए हैं। साथ ही जिस गोहाना रोड स्थित नाले की हालत पर मंत्री नाराज हुए थे, उसकी मरम्मत के लिए टेंडर जारी किया गया है। जिस पर जल्द ही काम भी शुरू हो जाएगा। दौरे के दौरान राज्य मंत्री निगम के अधिकारियों को कहकर गए थे कि इस बार वे हरियाणा सरकार की तरफ से भेजे गए हैं अगली बार वह खुद सफाई का जायजा लेंगे। इसलिए कोई शिकायत नहीं मिलनी चाहिए।

जताई थी नाराजगी

राज्य मंत्री ने गोहाना रोड के नाले की हालत पर नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने नाले की मरम्मत के आदेश दिए थे। यह नाला शहर के बड़े हिस्से के गंदे पानी को गोहाना रोड, कृपाल आश्रम के पास से सुखपुरा चौक होते हुए पीरबोदी के पास लेकर जाता है।

इसलिए यह शहर का महत्वपूर्ण नाला है। पानी आगे फेंकने के लिए मोटर चलाए जाने और जर्जर हालत की वजह से कृपाल आश्रम के पास माह में कई बार डेढ से दो फीट तक गंदा पानी सड़क पर जमा हो जाता है। जिसकी शिकायतें सरकार को कई बार भेजी जा चुकी हैं। इसके बाद निगम की तरफ से 49.67 लाख का टेंडर जारी किया गया है। नाले की मरम्मत के बाद समस्या का समाधान हो जाएगा। गंदगी से काफी हद तक छुटकारा मिलेगा।

रोहतक। कूड़े को ट्राली में डालता जेसीबी। फोटो : हरिभूमि

जल्द काम पूरा करने के दिए आदेश

नगर निगम आयुक्त जितेंद्र सिंह के आदेशों पर अभियान चलाए जा रहे हैं। आयुक्त ने सम्बंधित अधिकारियों को कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही इन कार्यों की रिपोर्ट मांगी है।

21 दिसंबर को किया था निरीक्षण

राज्य मंत्री अनूप धानक ने 21 दिसंबर को शहर में कई जगह सफाई का निरीक्षण किया था। उन्होंने निगम अधिकारियों को आदेश दिए थे कि शहर में कहीं भी गंदगी की समस्या नहीं मिलनी चाहिए। जहां सफाई नहीं हुई है, वहां तत्काल सफाई करवाई जाएं। उन्हें सीएम मनोहर लाल की तरफ से सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के लिए भेजा गया था। राज्य मंत्री ने भिवानी चुंगी पर राजेंद्रा कालोनी से निरीक्षण शुरू किया था। इसके बाद उन्होंने ओल्ड बस स्टैंड, ओल्ड आईटीआई मैदान, कन्हेली रोड, सर्किट हाउस के पास, गोहाना रोड पर नाले और पशु मेला मैदान के पास निरीक्षण किया था। उनके आदेशों के बाद ही कार्रवाई की जा रही है।

नाले के लिए टेंडर जारी किए

गोहाना रोड से पीरबोदी तक जाने वाला नाला कई जगह से टूट गया है। उसकी दोबारा से मरम्मत करवाई जाएगी। इसके लिए टेंडर जारी किया गया है। जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। **मंदीप धनखड़,** एक्सईएन, नगर निगम

जरूरत के अनुसार चलाया जा रहा अभियान

शहर में जोरशोर से सफाई अभियान शुरू किया गया है। रिहायशी कॉलोनियों, सार्वजनिक स्थलों, गोहाना रोड, डीएलएफ, कन्हेली रोड, ओल्ड आईटीआई आदि जगहों से गंदगी हटाई जा रही है। इसके अलावा जहां जरूरत होती है, वहां अभियान चलाया जा रहा है। **-सुंदर सिंह,** सफाई निरीक्षक, नगर निगम

एमडीयू की बेटियों ने हॉकी में पीयू चंडीगढ़ को 2-0 से हराया

रोहतक। पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला द्वारा आयोजित नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला हॉकी प्रतियोगिता में एमडीयू की बेटियों ने पीयू चंडीगढ़ की टीम को एक कड़े मुकाबले में 2-0 से हराकर लीग मैच में पहली जीत दर्ज की। मैच में दोनों गोल कुमारी तन्नू ने किए और एमडीयू को जीत दिलाई। एमडीयू का अगला मैच जीएनडीयू अमृतसर के साथ खेला जाएगा। टीम कोच किशन सैनी, मैनेजर डॉ. सुरजीत नीमा और डॉ. सुभाष शर्मा ने यह जानकारी दी। एमडीयू के खेल निर्देश प्रोफेसर आरपी गर्ग और एमडीयू स्पोर्ट्स काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र खत्री ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।

निःशुल्क आयुष्मान कार्ड व बीपीएल कार्ड बनवाना सराहनीय

रोहतक। शीला बाईपास स्थित मेघना कांप्लेक्स में राजीव दीक्षित चेरिटेबल ट्रस्ट में पहुंचे मुख्यमंत्री मनोहरलाल के चीफ मीडिया कार्डिनेटर सुदेश कटारिया ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा शहर में आयुष्मान व बीपीएल कार्ड निःशुल्क बनाए जाना सराहनीय कदम है। अन्य संस्थाओं को भी इनसे प्रेरित होकर समाज कार्यों में भागीदारी दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं, जब कांग्रेस के नेता आपस में लड़-लड़कर स्वयं ही धराशाई हो जाएंगे। कांग्रेस के जिन नेताओं में स्वयं ही अविश्वास की भावना है और कोई एक दूसरे का भरोसा कर नहीं चलता।

चार गांव में 154 लाभार्थियों ने उठाया स्वास्थ्य बीमा का लाभ

रोहतक। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जिला के गांव सुंदरपुर, भगवतीपुर, अटायल व गांधरा में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन चारों गांवों में आयुष्मान व चिरायु हरियाणा योजना के कुल 6028 लाभार्थियों में से अब तक 154 लाभार्थियों ने 43.67 लाख रुपये से अधिक की धन राशि के स्वास्थ्य बीमा का लाभ उठाया है। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि सुंदरपुर गांव में 509 लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। अब तक इस गांव में 36 पेंशन स्वतः बनी हैं।

लघु सचिवालय के बाहर हादसा, आरोपी गाड़ी छोड़कर फरार

कैंटर चालक ने स्कूटी सवार को कुचला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सोनीपत स्टैंड पर स्थित लघुसचिवालय के बाहर शुक्रवार देर रात बेकाबू कैंटर ने स्कूटी सवार युवक को कुचल दिया। जिससे युवक की मौत हो गई। युवक तनिष्क ज्वैलर्स कंपनी में नौकरी करता था। थाना आर्य नगर को दी शिकायत में सचिन कुमार निवासी पटेल नगर ने बताया कि वह कॉस्मेटिक की दुकान पर नौकरी करता है। 22 दिसम्बर की रात 11 बजे वह और उसका दोस्त 27 वर्षीय साहिलिश निवासी पाड़ा मोहल्ला अपनी अपनी स्कूटी पर अशोका चौक से अम्बेडकर चौक की तरफ जा रहे थे। जब वह मटका चौक से निकले तो हमारे आगे-आगे एक कैंटर तेज रफ्तार से चल रहा था। जब उसका दोस्त कैंटर के पास पहुंचा तो कैंटर ने उसके दोस्त की स्कूटी को टक्कर मार दी। कैंटर का पहिया साहिलिश के सिर को कुचलता हुआ आगे निकल गया। आरोपी कैंटर को साइड में रोककर फरार हो गया। उन्होंने अपने साथी को पीजीआई भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई।

परिवार में मातम

साहिलिश के परिवार में उसके माता पिता व छोटा भाई है। पिता की चाय की दुकान है। परिवार गहरे सदमे में है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया।

पीजीआई में सफाई कर्मियों के लिए स्कील टेस्टिंग सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में आउटसोर्स पर लगे सफाई कर्मचारियों के लिए चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय में छह दिवसीय स्कील टेस्टिंग सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया गया। कोर्स के अंतिम दिन शनिवार को 33 प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरीत किए। इस अवसर पर उपस्थित सफाई कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अस्पताल प्रशासन के विभागाध्यक्ष डॉ. बृजेंद्र ढिल्लो ने बताया कि वे इस कोर्स के आयोजन के लिए पर्यटन विभाग, हरियाणा और होटल प्रबंधन संस्थान, तिलियार लेक रोहतक के प्रिंसिपल इंचार्ज संजीब डे व उनकी टीम का आभार जताया। होटल प्रबंधन संस्थान के व्याख्याता विकास देशवाल ने बताया कि उन्होंने कोर्स के दौरान सभी सफाई कर्मचारियो को डस्टिंग करना, हाइजीन मेंटेन रखना, साफ सफाई रखना व मरीजों से अच्छा व्यवहार कैसे करना है आदि विस्तार से सिखाया है। उन्होंने बताया कि इस छह दिन के कोर्स में 33 सफाई कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी गई। विकास देशवाल ने बताया कि सभी सफाई कर्मचारियों की पर्यटन विभाग हरियाणा के अधिकारी देवेंद्र कुमार द्वारा परीक्षा भी ली गई।

दो दुकानें बिना लाइसेंस चल रही थी गाजरपाक, बालूशाही के सैंपल लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

खाद्य एवं औषधि विभाग ने शनिवार को दुकानों का निरीक्षण किया और खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए। टीम को दो दुकानें बिना लाइसेंस चलते मिली। दोनों को नोटिस दे दिया गया है और चेतावनी दी है कि लाइसेंस बनवाएं नहीं तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. पवन चहल के साथ सहायक संदीप और सुनील सुबह निरीक्षण के लिए निकले। वे लाखन माजरा पहुंचे और 5 दुकानों का निरीक्षण किया। इन दुकानों से खाद्य पदार्थों के 7 नमूने लिए। टीम ने बर्फी, गाजरपाक, सरसों का तेल, देसी घी, बालूशाही और गुड़ के सैंपल लेकर सील किए। अब ये सैंपल जांच के लिए लैब में भेजे जाएंगे।

जायजा 1217 अभ्यर्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान की जाएगी

26 को दीक्षांत समारोह के सुचारू संचालन को लेकर टैगोर सभागार की अधिकारियों ने की विजिट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में 26 दिसंबर को आयोजित किए जाने वाले 18वें दीक्षांत समारोह के सुचारू आयोजन, विशेष रूप से बैठने की व्यवस्था हेतु टैगोर सभागार में विश्वविद्यालय अधिकारियों ने विजिट की तथा व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस अवसर पर डीन, एकेडमिक एफेयरस प्रो. सुरेन्द्र कुमार, रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा, डीन कालेज डेवलपमेंट काउंसिल प्रो. एएस मान, परीक्षा नियंत्रक डा. बीएस सिन्धु, डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. अरूण नंदा, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रणदीप राणा, निदेशक सीडीओई प्रो. नसीब सिंह गिल, प्रो. शालिनी सिंह, प्रो. दिव्या मल्हान, डॉ. महक दांगी, डॉ. हरकेश सहरावत, डॉ. रवि प्रभात, निदेशक युवा कल्याण डॉ. जगबीर राठी, सहायक निदेशक युवा कल्याण डॉ. प्रताप राठी, पीआरओ पंकज नैन उपस्थित रहे। टैगोर सभागार में दीक्षांत समारोह संचालन से संबंधित प्रक्रिया बारे प्रशिक्षण एवं अनुकूलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. बीएस सिन्धु ने पीएचडी उपाधि वितरण प्रक्रिया के बारे में बताया। पांच वर्ष के अंतराल के बाद आयोजित किए जा रहे दीक्षांत समारोह में 1217 अभ्यर्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान की जाएगी। 25 दिसंबर को दीक्षांत समारोह का अधिकारिक पूर्वाभ्यास आयोजित किया जाएगा। जो अभ्यर्थी पूर्वाभ्यास में शामिल होंगे, उनको ही दीक्षांत समारोह में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।

इंटर कॉलेज भारोत्तोलन प्रतियोगिता

ट्रॉफी जीतकर लौटे खिलाड़ियों का कॉलेज पहुंचने पर किया भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज भारोतोलन प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय में महम ओवरऑल चैंपियन रहा। प्रतियोगिता महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में 18 व 19 दिसंबर को आयोजित की गई। जिसमें राजकीय महाविद्यालय महम के खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों 55 किलोग्राम, 73 किलोग्राम 81 किलोग्राम 96 किलोग्राम व 109 किलोग्राम में भाग लिया। उपरोक्त पांचो भार वर्गों में महाविद्यालय के प्रतियोगियों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए। 55 किलोग्राम भार वर्ग में मनोज, 73 किलोग्राम में विजय, 81 किलोग्राम भार वर्ग में तुषार, 96 किलोग्राम में जयदीप व 109 किलोग्राम भार वर्ग में बंशी सिहाग ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए शुक्रवार को महाविद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. संतोष हुड्डा ने शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रवक्ता विशाल नहरा, महाविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड के सदस्यों व विजेता खिलाड़ियों का स्वागत किया व उन्हें बधाई दी। विजेता खिलाड़ी अपनी ट्रॉफी के साथ महाविद्यालय पहुंचे व चैंपियन ट्रॉफी प्राचार्य व कालेज स्पोर्ट्स बोर्ड को सुपुर्द की। प्राचार्य ने विजेता खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महम। भारोत्तोलन प्रतियोगिता में ऑवर ऑल ट्रॉफी जीतकर लौटे खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए प्रिंसिपल डॉ. संतोष हुड्डा और उनके साथ मौजूद शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रवक्ता विशाल नहरा व अन्य। फोटो : हरिभूमि

रोलर कोस्टर बाजार का तोड़ हैं मल्टी एसेट फंड

बिजनेस डेस्क

इन दिनों शेयर बाजार में अच्छे दिन नहीं चल रहे दिखते हैं। किसी दिन बाजार झूम जाता है तो किसी दिन बिकवाल हावी हो जाते हैं। शेयर बाजार की इस अस्थिरता से ज्यादातर निवेशक खुश नहीं होते हैं। हालांकि निवेशक चाहे तो इससे अपने इनवेस्टमेंट को एक तरह से शील्ड दे सकते हैं। ऐसी स्थिति से बचने का उपाय है एसेट क्लास में महत्वपूर्ण डायवर्सिफिकेशन। एसेट क्लास अपने खुद के चक्रों का पालन करते हैं, और उनके उतार-चढ़ाव की भविष्यवाणी करना कभी आसान नहीं होता है। लेकिन, मल्टी एसेट फंड के जरिए इस स्थिति से निबटने में ज्यादा आसानी होगी। हालांकि मल्टी एसेट फंड से भी सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए इनवेस्टर्स को कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी होता है। आज हम इन्हीं सावधानी की चर्चा कर रहे हैं।

ऐसे में क्या करें निवेशक

छोटे या रिटेल इनवेस्टर ऐसी स्थिति में डर जाते हैं। शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि ऐसे में निवेशकों को सीजन एसेट क्लास के फ्लेवर के झांसे में नहीं आना चाहिए। इसके बजाय अपने पोर्टफोलियो के लिए एक संतुलित एसेट एलोकेशन स्ट्रेटेजी का पालन करना चाहिए। यही वह जगह है जहां मल्टी एसेट म्यूचुअल फंड फिट बैठते हैं और निवेशकों के लिए सबसे अच्छा अवसर प्रदान करते हैं। यह देखते हुए कि इक्विटी बाजारों में सुधार जितना दिखता है उससे कहीं ज्यादा अच्छा हो सकता है।

सेबी का नियम क्या कहता है

बाजार के जानकारों का कहना है कि मल्टी एसेट फंड हाइब्रिड फंड हैं। सेबी के नियमों के मुताबिक, फंड हाउसों को अपने फंड का न्यूनतम 10% कम से कम तीन एसेट क्लास में निवेश करना होगा। इन तीन एसेट क्लास में घरेलू और इंटरनेशनल इक्विटी, डेट और कमोडिटी का मिला जुला क्लास हो सकता है। इस तरह की रणनीति के लिए सभी एसेट क्लास में निवेश की जरूरत होती है। बाजार की अस्थिरता के बावजूद इस निवेश को स्थिर रखा जाना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

जानकारों के मुताबिक मल्टी एसेट फंड से सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए निवेशकों को इन 3 बातों को ध्यान में रखना चाहिए। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान प्राप्त कर पाएंगे।

- पहला यह कि वह इस बात को सुनिश्चित करें कि फंड लेबल के अनुरूप है और एसेट आवंटन मिश्रण में बदलाव नहीं है। उदाहरण के तौर पर निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड घरेलू और विदेशी इक्विटी, कमोडिटी और डेट में 50:20:15:15 के निवेश अनुपात को कभी नहीं बदला है।। इस तरह का अनुशासित निवेश दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि निवेशक हमेशा लाभ में रहें।
- दूसरा, ऐसा फंड चुनना चाहिए जिसका अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में भी निवेश हो। उदाहरण के लिए निप्पॉन मल्टी एसेट फंड जो चार परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करता है और कॉर्पस का 20% हिस्सा अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में जाता है। सुंदरम, इनवेस्को और एक्सिस जैसे अन्य मल्टी एसेट फंड भी वैश्विक बाजारों में निवेश करते हैं।
- तीसरा-मल्टी एसेट फंड में निवेश करने का तीसरा फायदा निवेशकों को मिलने वाला इंडेक्सेशन का लाभ है। इंडेक्सेशन आपको फंड से ज्यादा प्राप्त करने में मदद करता है क्योंकि निवेश के मूल्य की गणना महंगाई जैसे कारकों को ध्यान में रखकर की जाती है और इससे आपको अधिक लाभ मिलता है।

एक साल में क्या रहा रिटर्न

पिछले एक साल में मल्टी एसेट फंड ने अच्छा रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड 15.72% रिटर्न के साथ सबसे आगे है। उसके बाद 13.85% के साथ मोतीलाल ओसवाल और 13.74% के साथ एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड है। टाटा मल्टी एसेट फंड का रिटर्न इस दौरान 12.71% रहा है। मतलब कि सभी फंड हाउस ने 12 फीसदी से ज्यादा का ही रिटर्न दिया है।

इंडेक्स फंड्स भी दे सकते हैं फायदा, ध्यान से करें निवेश

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी इन दिनों म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो एक बार बाजार पर भी नजर डाल लें और सावधानी पूर्वक पूरी जानकारी जुटाकर और अपने रिस्क को ध्यान में रखकर निवेश की ओर कदम बढ़ाए। बाजार में आपको हर तरह के शेयर मिलेंगे, लेकिन आप ध्यान से एक बार सभी अध्ययन कर उतरेंगे तो आसानी मोटा मुनाफा कमा सकते हैं। इसलिए जब भी बाजार में उतरें, पहले अपने लक्ष्य तय करें और रिस्क को देखकर ही पैसे लगाएं। वरना आप फायदे की जगह नुकसान का भी सामना कर सकते हैं। बाजार के जानकारों की मानें तो इस समय निवेशकों के लिए इंडेक्स फंड अच्छा ऑप्शन हो सकता है। जो निवेशक म्यूचुअल फंड में निवेश करके कम से कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न चाहते हैं, उनके लिए इंडेक्स फंड सबसे बढ़िया विकल्प माने जाते हैं, पिछले एक साल में इन फंडों ने 20 से 24 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। इस कैटेगिरी के कई फंड्स ने बीते 1 साल में 21% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। इसके अलावा एक्सपर्ट्स के अनुसार अगले 4 साल शेयर बाजार में सालाना 20% बढ़त देखने को मिल सकती है। ऐसे में निफ्टी 50 या सेंसेक्स 30 में भी अच्छी तेजी देखने को मिलेगी। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे इंडेक्स फंड के बारे में जो निवेशकों के लिए समय पहली पसंद साबित हो रहे हैं। इन दिनों इंडेक्स फंड में आप भी निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और खुद को आर्थिक रूप से समृद्ध बना सकते हैं।

इन फंड्स ने दिया बेहतर रिटर्न

फंड का नाम	1 साल	3 साल	5 साल
यूटीआई निफ्टी इंडेक्स फंड एक्सिस 50 निफ्टी	21.86%	18.17%	13.80%
नेक्स्ट 50 इंडेक्स आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल	21.75%	-	-
निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड	20.60%	17.70%	12.80%
एसबीआई निफ्टी इंडेक्स फंड	17.10%	16.60%	14.80%
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी इंडेक्स फंड	17.20%	16.70%	15.10%

एक्सपेंस रेश्यो रहता है कम

इंडेक्स फंड में निवेश करने का खर्च अपेक्षाकृत कम होता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि अन्य प्रत्यक्ष रूप से प्रबंधित म्युचुअल फंडों में जहां एसेट मैनेजमेंट कंपनी तकरीबन 2% तक शुल्क वसूलती हैं, वहीं इंडेक्स फंडों का शुल्क बहुत कम यानी कि तकरीबन 0.5% से 1 के बीच होता है। अस तरह से इंडेक्स फंड में एक्सपेंस रेश्यो कम रहता है जो एक तरह से निवेशक को लाभ ही देता है।

डाइवर्सिफिकेशन का मिलता है लाभ

इंडेक्स फंड से निवेशक अपना पोर्टफोलियो डाइवर्सिफाई कर सकते हैं। इससे नुकसान की संभावना घट जाती है। अगर एक कंपनी के शेयर में कमजोरी आती है तो दूसरे में ग्रोथ से नुकसान कवर हो जाता है। इसके अलावा इंडेक्स फंडों में ट्रैकिंग एरर कम होता है। इससे इंडेक्स को इमेज करने की एक्यूरेसी बढ़ जाती है। इस तरह रिटर्न का सटीक अनुमान लगाना आसान हो जाता है।

कितना देना होता है टैक्स?

12 महीने से कम समय में निवेश भुनाने पर इक्विटी फंड्स से कमाई पर शार्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। यह मौजूदा नियमों के हिसाब से कमाई पर 15% तक लगाया जाता है। अगर आपका निवेश 12 महीनों से ज्यादा के लिए है तो इसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स माना जाएगा और इस पर 10% ब्याज देना होगा। हालांकि अगर आपका एलटीसीजी 1 लाख से कम है तो आपको इस पर कोई टैक्स नहीं देना होता है।

- पिछले 1 साल में दिया 24% तक का रिटर्न
- निवेशक के लिए पंसद बनकर उभरे ये फंड
- एसआईपी के जरिये शुरू करें निवेश
- फिर धीरे-धीरे इसे बढ़ाते जाएं

किसके लिए सही हैं इंडेक्स फंड

इंडेक्स फंड उन निवेशकों के लिए सही हैं जो कम रिस्क के साथ शेयरों में निवेश करना चाहते हैं। इंडेक्स फंड ऐसे निवेशकों के लिए बेहतर है जो रिस्क कैलकुलेट करके चलना चाहते हैं, भले ही कम रिटर्न मिले। जानकारों का कहना है कि इन फंडों में भले ही आपको रिटर्न कम मिले, लेकिन आपका पैसा सुरक्षित रहता है और अच्छा लाभ भी मिलता है।

एसआईपी के जरिए निवेश करना सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने के बजाए सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है, क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता।

■ बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करने में सक्षम ■ ये फंड इक्विटी और डेट दोनों विकल्पों में लगाते हैं निवेशों के पैसे
■ रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए बेहतर विकल्प ■ निवेशकों के लिए कमाई का बढ़िया जरिया, निवेशकों के लिए आदर्श
■ शेयर बाजार बढ़त पर कर रहे मालामाल, सावधानी से बढ़ाएं कदम ■ कोई निवेश बिना जोखिम वाला नहीं होता, हर किसी के फायदे-नुकसान

कम रिस्क में भी ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार में झमाझम पैसा बरस रहा है। लनगभग सभी कंपनियों के शेयर अच्छा मुनाफा दे रहे हैं, निवेशक मालामाल हो रहे हैं। ऐसे में हर कोई निवेश के लिए तैयार है, लेकिन आप थोड़ी सावधानी के साथ निवेश के लिए बाजार में उतरें तो आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है। इस समय म्यूचुअल फंड में निवेश करना बेहतर है। ये फंड आपको कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दे सकते हैं और आप आसानी से मालामाल हो सकते हैं। म्यूचुअल फंड इनवेस्टर से लेकर विदेशी निवेशक तक इस समय सभी खुश हैं। वैसे भी म्यूचुअल फंड (एमएफ) के अधिकतर इनवेस्टर शेयर बाजार के इकोनोमिक्स को सही सही नहीं समझते हैं। तब भी वे बाजार की तेजी में हिस्सेदार बनते हैं। दरअसल, म्यूचुअल फंड निवेश बाजार की बात करें तो निवेशकों का प्राथमिक लक्ष्य अपने निवेश पर बेहतर रिटर्न हासिल करना है। लेकिन कुछ बातों पर ध्यान रखें तो वे म्यूचुअल फंड से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। शेयर बाजार के बारे में कहा जाता है कि यहां कोई भी निवेश बिना जोखिम वाला नहीं है, हर निवेश के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं, लेकिन म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। इससे उन्हें महत्वाकांक्षी म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

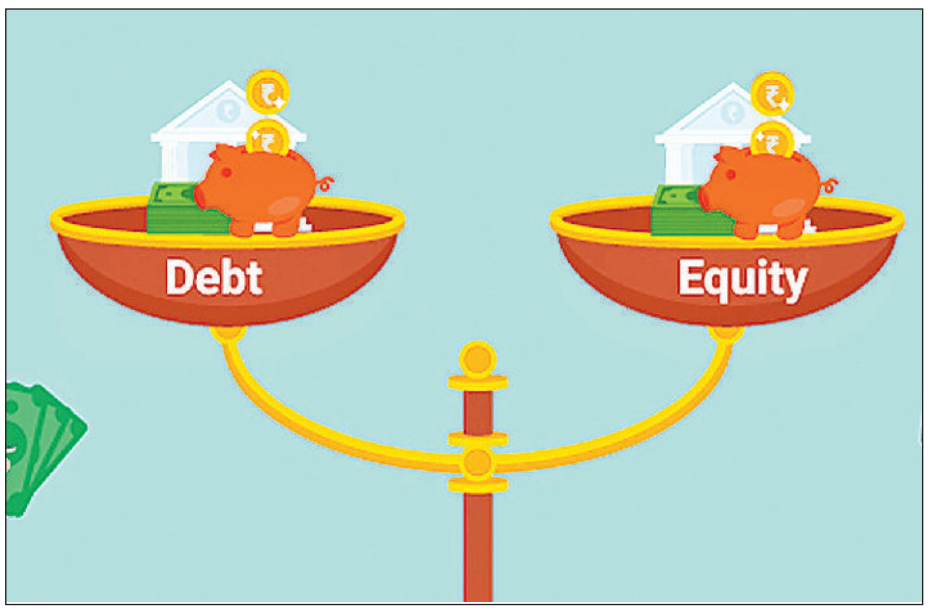

कम जोखिम और हाई रिटर्न

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड जोखिम और रिवार्ड के बीच एक संतुलन हासिल करने की अपनी क्षमता के लिए पॉपुलर होते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों तरह के विकल्पों में रणनीतिक रूप से निवेश करते हैं। ये फंड डेट विकल्पों में निवेश के माध्यम से स्थिरता प्रदान करते हैं, जबकि इक्विटी में निवेश के जरिए पूंजी में तेज बढ़ोतरी की क्षमता प्रदान करते हैं। यही संतुलन बाजार की अस्थिरता के प्रभाव को कम करते हुए मजबूत रिटर्न प्राप्त करने का बेहतर तरीका है।

लंबी अवधि के निवेश लक्ष्य को पूरा करने वाला विकल्प

चाहे आपका लक्ष्य सेवानिवृत्ति के लिए फंड जुटाना हो, अपने बच्चे की शिक्षा के लिए फंड जुटाना हो, या कोई अन्य दीर्घकालिक उद्देश्य पूरे करने के लिए फंड जुटाना हो, बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपको उस लक्ष्य पूरा करने में मदद कर सकते हैं। उनका सक्रिय प्रबंधन और बेस्ट रिटर्न देने की क्षमता उन्हें महत्वाकांक्षी वित्तीय लक्ष्य बनाने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है।

यह है बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

दरअसल यह म्यूचुअल फंड का एक ऐसा उत्पाद है, जो इक्विटी और डेट दोनों का मिला जुला होता है। बाजार की स्थितियों, ब्याज दरों और व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर इक्विटी और डेट के बीच बैफ में बदलाव होते रहता है। यह बाजार के हालात से निवेशकों का बचाव करता है. बाजार चाहे गिरा हुआ हो या नई ऊंचाइयों पर हो, नया संतुलन हो जाने से निवेशकों के लिए ये फंड जोखिम को कम कर देते हैं। जब बाजार को प्रभावित करने वाले कारकों में तेजी से बदलाव हो रहा हो, तब एक आम निवेशक के लिए उसके हिसाब से अपने पोर्टफोलियो को समायोजित करते रह पाना मुश्किल हो जाता है। जैसे मौजूद हालात को देखें तो दुनिया साल भर से ज्यादा समय से पूर्वी यूरोप में युद्ध की स्थिति से जूझ रही है। ग्लोबल इकोनॉमी के ऊपर मंदी का खतरा है। महंगाई और उसके कारण लगातार बढ़ते ब्याज दरों का दबाव है। ऐसे माहौल में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बैलेंस्ड एडवांटेज जैसे फंड ने पिछले एक दशक से भी अधिक समय में इक्विटी या डेट में एंट्री-एक्जिट को अच्छे से मैनेज किया है। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की यह रणनीति होती है कि जब बाजार नीचे हो तो सस्ते में शेयर खरीदे जाएं और जब बाजार ऊपर हो तो उसे महंगे में बेचकर निकल जाएं। इससे निवेशकों को महंगे बाजारों के दौरान मुनाफा कमाने में मदद मिलती है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इन फंडों का शुद्ध इक्विटी एक्सपोजर 30 फीसदी के स्तर तक नीचे जा सकता है, लेकिन आम तौर पर इक्विटी में निवेश 65 फीसदी और उससे अधिक पर बनाए रखा जाता है।

बेहतर विकल्प क्या हैं

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर आप ऐसे निवेश की तलाश कर रहे हैं जो जोखिम समायोजित (रिस्क एडजस्टेड) बेहतर रिटर्न की संभावना प्रदान करता है, तो बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपके लिए बेहतर विकल्प हो कसता है। इसके अलावा किसी और विकल्प के बारे में विचार न करें। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड निवेश का एक ऐसा जरिया है, जिसमें जोखिमों को प्रभावी ढंग से मैनेज (प्रबंधित) करते हुए बेहतर रिटर्न प्रदान करने की क्षमता होती है। पिछले कई सालों से देखा भी जा रहा है कि बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने निवेशकों को कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दिया है। इस योजना में निवेशक आराम से निवेश कर अपनी पूंजी को बढ़ा सकते हैं।

बेहतर रिटर्न के लिए डायनमिक अलोकेशन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की सबसे खास विशेषताओं में से एक उनका डायनमिक एसेट अलोकेशन है। कुशल फंड मैनेजर लगातार बाजार की स्थितियों पर अपनी नजर रखते हैं और इक्विटी व डेट के बीच फंड के आवंटन को उसी अनुसार समायोजित करते हैं। जब बाजार में तेजी होती है, तो वे इक्विटी में निवेश बढ़ाते हैं, और बाजार में गिरावट के दौरान, वे डेट इन्वेस्टमेंट के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह सक्रिय प्रबंधन निवेशकों को अवसरों का लाभ उठाने और बाजार के चुनौतीपूर्ण चरणों से निपटने में मदद करता है, जिससे संभावित रूप से अधिकतम रिटर्न मिलता है।

दौलत बढ़ाने के लिए बेहतर प्रदर्शन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की पहचान लंबी अवधि में लगातार रिटर्न देने की उनकी क्षमता है। यह स्थिरता उन निवेशकों को आकर्षित कर रही है जो अपने रिटर्न में पूर्वानुमान के स्तर को बनाए रखते हुए अपनी संपत्ति में लगातार बढ़ोतरी करना चाहते हैं। फंड का स्थिर प्रदर्शन समय के साथ सर्वोत्तम रिटर्न हासिल होने की संभावना में योगदान देता है।

हायर नेट रिटर्न के लिए टैक्स दक्षता

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड को टैक्स बेनेफिट देने के लिए डिजाइन किया गया है। जब वे अपनी संपत्ति का 65% से अधिक इक्विटी में आवंटित करते हैं, तो इन पर इक्विटी फंड की तरह टैक्स लगता है। इसके परिणामस्वरूप टैक्स देनदारी कम हो सकती है, विशेष रूप से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स के लिए, जिससे निवेशकों को अपने रिटर्न का एक बड़ा हिस्सा बनाए रखने की अनुमति मिलती है।

डायवर्सिफिकेशन को आसान बनाया गया

डाइवर्सिफिकेशन हासिल करना जटिल हो सकता है, लेकिन बैलेंस्ड एडवांटेज फंड इस प्रक्रिया को सरल बनाते हैं। इन फंडों में निवेश के जरिए आपका पोर्टफोलियो डायवर्सिफाइड हो जाता है, क्योंकि ये अलग अलग एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इससे न सिर्फ जोखिम कम करने में मदद मिलती है, बल्कि कई सेक्टर और एसेट क्लास (परिसंपत्ति वर्गों) का लाभ उठाकर सर्वश्रेष्ठ रिटर्न की संभावना भी बढ़ाता है।

रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए भी म्यूचुअल फंड पर बढ़ा भरोसा

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट की बात करें तो कुछ साल पहले यह भारतीयों के फाइनेंशियल प्लानिंग में प्राथमिकता नहीं थी। इसकी बजाए बहुत से लोग अपने दूसरे लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्लानिंग करते थे, लेकिन अब ट्रेंड बदल रहा है। रिटायरमेंट भारतीयों के लिए अब तेज गति से वित्तीय प्राथमिकता बन रही है और ज्यादा से ज्यादा लोग अब अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में इसे तरजीह दे रहे हैं। रिटायरमेंट को फाइनेंशियल प्लानिंग में ऊपर रखने के मामले में भारत 2023 के एक सर्वे के अनुसार दुनिया में छठे स्थान पर पहुंच गया है, जो 2020 में 8वें स्थान पर था। एक सर्वे में ये बातें सामने आई हैं। इस सर्वे के अनुसार पहले रिटायरमेंट मुख्य रूप से परिवार के दायित्वों को पूरा करने को लेकर जुड़ा था, लेकिन पिछले कुछ साल में, इसकी परिभाषा आत्म-सम्मान और खुद की पहचान की तलाश तक पहुंच गई है। यानी अब लोग रिटायरमेंट के बाद भी वर्किंग ईयर की तरह बेहतर लाइफ जीना चाहते हैं। आज, भारतीय अपनी जरूरतों या इच्छाओं से समझौता किए बिना अपने फाइनेंस पर नियंत्रण चाहते हैं, जिसके लिए बेहतर रिटायरमेंट प्लानिंग बहुत जरूरी है।

इन पहलुओं पर विचार

पॉजिटिव पहलू

पॉजिटिव पहलू यह है कि धन को अप्रत्याशित/अपेक्षित जरूरतों के प्रति 'सुरक्षा जाल' के रूप में माना जाता है। इसे अपनी फैमिली के प्रति अपने कमिटमेंट को पूरा करने के लिए 'सक्षम बनाने वाला' और सामाजिक सम्मान और गौरव चाहने वालों के लिए 'सक्षम होने का प्रतीक' माना जाता है। महामारी के बाद, यह 'स्वतंत्रता की तलाश' के नए आकार में विकसित हुआ है—यानी अपनी लाइफ स्टाइल और जरूरतों से समझौता किए बिना जिम्मेदारियों को पूरा करना। इन जरूरतों और जिम्मेदारियों में बड़ा घर बनाना, बच्चों के लिए क्वालिटी एजुकेशन से लेकर फैशन, तकनीक, साज-सज्जा विकल्पों, छुट्टियों आदि के माध्यम से लाइफ स्टाइल को बेहतर बनाना शामिल है।

निगेटिव पहलू

निगेटिव पहलू यह है कि पैसा बनाने और उसे मैनेज करने को लेकर लोगों के कमिटमेंट और जिम्मेदारियों को पूरा करने की क्षमता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। निगेटिव पहलू में, अगर कोई विशेषज्ञता की कमी या बढ़ते फाइनेंशियल डिजिटल वर्ल्ड को अपनाने में असमर्थता/देरी होने के कारण अपने पैसे को अच्छी तरह से मैनेज करने में असमर्थ है—तो इससे सामाजिक शर्मिंदगी, कम आत्मसम्मान और/या कमी की भावना पैदा हो सकती है।

भारतीय निवेशक फिक्स्ड इनकम और बीमा को दे रहे प्राथमिकता, ईटीएफ की तुलना में एमएफ आकर्षण बढ़ा

- व्यक्तिगत आय में बढ़ोतरी के साथ लोगों की आय में से कर्ज और देनदारियों के लिए अलोकेशन बढ़ रहा है। भारतीय अपने धन का 59 फीसदी घरेलू खर्चों के लिए और 18 फीसदी लोन चुकाने के लिए रख रहे हैं, जो 2020 के मुकाबले ज्यादा है।
- लोगों द्वारा पूंजी के निर्माण की दिशा में एक प्रयास किया जा रहा है, जहां कुल आय का 5 फीसदी स्किल डेवलपमेंट या एजुकेशन लोन के लिए अलोकेट किया जाता है।
- 48 फीसदी ने बताया कि महामारी के कारण सोच, व्यवहार और वित्तीय योजना में बदलाव आया। -भारतीय वित्तीय रूप से अधिक जागरूक, योजना बनाने वाले और अनुशासित हो गए हैं।
- अब कम आय के साथ, अधिक रिटर्न जेनरेट करने और वित्तीय रूप से सुरक्षित रहने पर अधिक ध्यान है। जैसे-जैसे आय बढ़ रही है, लोगों की प्राथमिकता अपने वर्तमान वर्किंग प्लेस में उच्च पद तक पहुंचना और पैसिव इनकम के सोर्स विकसित करने जैसे अन्य पहलुओं को दी जा रही है।

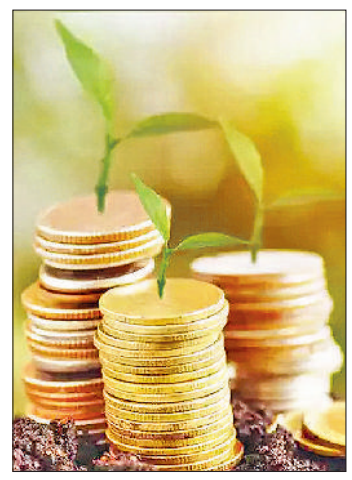

- पहचान' और 'आत्म-सम्मान' अब केवल भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि खुद की देखभाल करना और जानने तक भी बढ़ रहा है।
- महामारी के बाद, भारतीयों ने पारिवारिक सुरक्षा के अलावा, मेडिकल इमरजेंसी और रिटायरमेंट योजना जैसी लंबी अवधि के लक्ष्य पर अधिक जोर देना शुरू कर दिया है।
- महामारी के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित 'आय के वैकल्पिक सोर्स की कमी' के बारे में चिंता करने वालों की संख्या साल 2020 में 8% से बढ़कर 2023 में 38% तक पहुंच गई है।
- महामारी के बाद, 'महंगाई' व 'आर्थिक मंदी' रिटायरमेंट के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित चिंताओं की टॉप लिस्ट में आ गए।
- करीब 67 फीसदी भारतीयों का कहना है कि वे रिटायरमेंट के लिए तैयार हैं, जिससे उन्हें काम और जीवन के बारे में पॉजिटिव सोच मिलती है, जिन लोगों ने अपनी रिटायरमेंट की योजना बनाई है, वे आमतौर पर इसे 33 साल की उम्र के आसपास शुरू करते हैं और जिन्होंने नहीं किया है, वे 50 की उम्र में शुरू करने का इरादा रखते हैं।
- 2020 में 10% की तुलना में 2023 में 23% लोगों को सीधे इक्विटी/शेयर और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की तुलना में म्यूचुअल फंड ज्यादा आकर्षक दिख रहा है। सर्वे के अनुसार भारतीय निवेशक अभी भी फिक्स्ड इनकम विकल्पों और बीमा को प्राथमिकता देते हैं।
- बदल रही लाइफ स्टाइल और मैक्रो-इकोनॉमिक स्थितियों के साथ, भारतीयों को लगता है कि उन्हें अपने रिटायरमेंट फंड बनाने के लिए अपनी सालाना आय का 10-12 गुना चाहिए, जो 2020 के सर्वेक्षण में 8-9 गुना था।

वित्तीय सुरक्षा को लेकर सजग

आय का वैकल्पिक सोर्स होने से रिटायरमेंट के लिए तैयारी की भावना काफी बढ़ जाती है। सर्वे में भाग लेने वाले 36 फीसदी में से जिनके पास वैकल्पिक आय के सोर्स हैं, उनमें से 42 फीसदी ऐसे हैं, जिन्हें फाइनेंशियल एसेट्स में निवेश से अतिरिक्त आय होती है। अब हर कोई अपनी वित्तीय सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से सजग है। जिनके पास रिटायरमेंट योजना है, उनमें से सिर्फ 10 फीसदी ही रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर से उचित फाइनेंशियल प्लानिंग को लेकर सेवाएं चाहते हैं।

खबर संक्षेप

टेलेंट ट्री स्कूल में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया

महम। टेलेंट ट्री स्कूल महम ने महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती पर मैथ्स मेनिया 2023 का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा छात्रों को गणित के क्षेत्र में श्रीनिवास रामानुजन के उत्कृष्ट योगदान से परिचित कराना रहा। विद्यार्थियों ने गणित दिवस समारोह में गीत, संगीत और नृत्य के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। चेयरपर्सन डॉ. दर्शना ने दैनिक जीवन में गणित के महत्व को बताया।

सभी को करना चाहिए गीता पाठ

रोहतक। सनातन धर्म हनुमान मंदिर सुभाष नगर में एक मिनट एक साथ गीता पाठ किया गया, सतीश तागरा ने श्लोकों का विस्तृत वर्णन किया। सभी को प्रसाद भी वितरित किया गया। सुरेन्द्र सहगल ने बताया कि गीता पाठ सभी को करना चाहिए।

वैकुंठ एकादशी हर्षोल्लास से मनाई

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में शनिवार को वैकुंठ एकादशी हर्षोल्लास से मनाई गई। इस उपलक्ष्य में भजन संध्या, कीर्तन और गुरु प्रवचन का आयोजन हुआ। इसके बाद प्रसाद वितरित किया गया। साध्वी मानेश्वरी देवी ने बताया कि हिंदू धर्म में एकादशी का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि यदि मानव वैकुंठ एकादशी का व्रत पूरी श्रद्धा, भक्ति, विधिनुसार के साथ करते हैं तो उन्हें भगवान विष्णु का आशीर्वाद मिलता है।

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने को हर नागरिक अपने अधिकारों का समझे

नागरिक गीता के ज्ञान को जीवन शैली का बनाएं हिस्साः डॉ. अरविंद शर्मा

रोहतक। नगर शोभा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए नगर निगम के संयुक्त आयुक्त राकेश कुमार सैनी। फोटो :हरिभूमि

डॉ. अरविंद शर्मा बोले, गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने मोहग्रस्त अर्जुन को कर्म करने का ज्ञान दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। आरती करते हुए महामंडलेश्वर बाबा कपिल पुरी। फोटो :हरिभूमि

लोकसभा सांसद डॉ. अरविंद शर्मा ने नागरिकों का आहन किया कि वे गीता के सार को अपनी जीवन शैली में शामिल करें। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हर नागरिक अपने अधिकारों के साथ साथ कर्तव्यों को भी समझे। सरकार द्वारा गीता के ज्ञान को घर-घर पहुंचाने के लिए देश भर तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गीता जयंती महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं।

डॉ. अरविंद शर्मा पंडित श्रीराम शर्मा रंगशाला में आयोजित गीता जयंती महोत्सव में सामूहिक श्लोक उच्चारण कार्यक्रम के बतौर मुख्यातिथि उपस्थितगण को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने सूचना, जन सम्पर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा लगाई गई दो दिवसीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने मोहग्रस्त अर्जुन को कर्म करने का ज्ञान दिया तथा फल की चिन्ता न करने को कहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रत्येक नागरिक से कर्म करने को कहा है ताकि देश को विकसित राष्ट्र बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज ने गीता के सार के बारे में कहा है कि एक बनों-नेक बनों।

गीता एक सम्पूर्ण योग शास्त्रः रामचन्द्र जांगड़ा

सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्यातिथि व राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगडा ने गीता के सभी पात्रों का विस्तृत अर्थ समझाया। उन्होंने कहा कि यदि मनुष्य गीता के संदेश को अपने जीवन में धारण करता है तो उसका कल्याण हो जाता है। गीता एक संपूर्ण योग शास्त्र है। गीता की सभी प्रक्रियाओं से अमरत्व प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शरीर ही युद्ध भूमि है। हम माया से भ्रमित होकर इधर-उधर भटकते फिरते है। पांडव मन के 100 स्वरूपों का रूप हैं तथा पांडव मन की इंद्रियां हैं। कुन्ती कर्म का रूप है तथा पांडु पुण्य का नाम है। पीत वर्ण पवित्रता, शुद्धता व सच्चाई का रूप है। कर्ण ने कभी समझौता नहीं किया तथा हमेशा पांडवों के पक्ष में रहा।

गीता जयंती महोत्सव के तहत निकाली शोभा यात्रा

दो दिवसीय गीता जयंती महोत्सव के आज अंतिम दिन भव्य नगर शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें शहर की विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के अलावा विभिन्न विभागों की झांकियां शामिल रही। नगर निगम के संयुक्त आयुक्त राकेश कुमार सैनी ने नगर शोभा यात्रा को दुर्गा भवन मंदिर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस शोभायात्रा के माध्यम से नगर वासियों को गीता के अमर संदेश से अवगत कराया गया।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम में लोकसभा सांसद डॉ. अरविंद शर्मा को स्मृति चिंह देते हुए नगराधीश मुकुंद तंवर साथ में है राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगडा।

धार्मिक स्थलों पर दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित

गीता जयंती के अवसर पर नगर के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर आरती व दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर के ऐतिहासिक गौकरण तीर्थ स्थल पर आयोजित दीपोत्सव व आरती कार्यक्रम में महामंडलेश्वर बाबा कपिल पुरी सहित साध संगत ने हिस्सा लिया।

सांस्कृतिक कलाकारों ने माहौल किया गीतामय

गीता जयंती महोत्सव में स्कूली विद्यार्थियों तथा सूचना, जन सम्पर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के अनुबंधित कलाकारों ने गीता के सार पर आधारित भव्य प्रस्तुतियों से माहौल को गीतामय बना दिया। आज की प्रस्तुतियों में स्कोलर्स रोजरी स्कूल, सांपला स्थित नेहरू मॉडल स्कूल, जॉन वेस्ले स्कूल, सैनी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, विद्याश्री इंटरनेशनल स्कूल, सांपला स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, महेन्द्रा मॉडल स्कूल, विकास कला मंच व अन्य सांस्कृतिक टीमों ने शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किए रखा।

छात्रों ने गीता के श्लोकों का किया सामूहिक उच्चारण

भालौठ स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने गीता के 18 श्लोकों का उच्चारण किया। इस कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कुरुक्षेत्र में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के साथ लिंक किया गया, जहां पर 18 हजार विद्यार्थियों ने गीता के श्लोकों का सामूहिक उच्चारण किया।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में जिला परिषद की चेयरपर्सन मंजू हुड्डा, पूर्व मेयर रेणू डाबला, वरिष्ठ उप महापौर राजकुमार सहगल, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त विजय मलिक एवं राकेश कुमार सैनी, नगराधीश मुकुंद तंवर, लुईस वॉल्च, विवेक विद्या नाथन, नरेन्द्र खट्टर, नरेन्द्र वत्स, स्नेह गोयल, भीम भारद्वाज, जिला शिक्षा अधिकारी मंजित मलिक, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दिलजीत सिंह, उप जिला शिक्षा अधिकारी रेणू खत्री, जिला कार्यक्रम अधिकारी दीपिका सैनी, नायब तहसीलदार बंसी लाल सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी, संस्थाओं के प्रतिनिधि, सांस्कृतिक टीमों के प्रभारी एवं स्कूली विद्यार्थी व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया क्रिसमस

रोहतक। पठानिया वर्ल्ड कैम्पस में क्रिसमस का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। मंच संचालन एकता व सुचिता ने किया। कक्षा पांच से विहान कालरा ने भाषण के माध्यम से ईसा मसीह का जन्मदिन, उनकी शिक्षाएं तथा आपसी भाईचारे का महत्व बताया गया। वहीं कक्षा नर्सरी व केजी के बच्चों ने टिंग-टिंग घंटी बजती, वेयर द पार्टी टू नाईट व जिंगल बेल-जिंगल बेल पर नृत्य प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा कक्षा तीसरी से पांचवीं की छात्राओं ने किरण एवं मोनिका के निर्देशन में वेलकम डांस पर नृत्य कर समां बाधा। स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया, प्रधानाचार्या वर्षा पठानिया, तन्वी पठानिया, उपप्रधानाचार्या सुनीता मोर, मुख्य अध्यापिका सुमन राठी, कार्डिनेटर रजनी गुलाटी एवं कोमल बुट्टन ने सभी बच्चों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी और कहा कि सेंटाक्लॉज द्वारा दूसरों को खुशियां बांटने की आदत को हमें भी अपने जीवन में अपनाना चाहिए। सभी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्रीमद्भागवत गीता हिंदू धर्म का सबसे पवित्र ग्रंथ

रोहतक। जेपी कॉलोनी स्थित शिक्षा भारती विद्यालय में गीता जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। प्रधानाचार्या आशु साहनी ने बताया कि कार्यक्रम में बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। सुबह 11 बजे सामूहिक रूप से गीता श्लोक उच्चारण किया गया। गीता प्रश्नोत्तरी, नाटक, गीत और कविता आदि का प्रदर्शन सराहनीय रहा। प्रधानाचार्या आशु साहनी ने गीता जयंती के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किये। उन्होंने बताया कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को धर्म और कर्म को समझाते हुए उपदेश दिया था। उन्होंने बताया कि श्रीमद्भागवत गीता हिंदू धर्म का सबसे पवित्र ग्रंथ है और यह हमारे जीवन का सार है इसलिए हमें गीता पाठ अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें फल की चिंता न करते हुए अपना कर्म सदैव तत्पर रहकर करना चाहिए।

खिलाड़ियों को बताया खेल का महत्व

रोहतक। शीतल स्पोर्ट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल किलोई में इंटर हाउस वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में हारमनी, जस्टिस, लिबर्टी, इक्विलिटि हाउस ने भाग लिया। वालीवॉल प्रतियोगिता में हारमनी हाऊस प्रथम तथा लिबर्टी हाऊस ने द्वितीय स्थान हासिल किया। स्कूल निदेशिका राजवंति हुड्डा तथा प्रधानाचार्य अनिल हुड्डा ने विजयी टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को खेल का महत्त्व बताया।

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट के बच्चों ने दिया प्रेम, सद्भावना व दयालुता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जॉन वेस्ले कॉन्वेन्ट में क्रिसमस उत्सव उत्साह से मनाया गया। इस मौके पर विशेष सभा का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा पहली से दसवीं के छात्रों ने शिरक्कत की। कक्षा तीसरी से सातवीं के विद्यार्थियों ने सुरीले कैरल प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। वहीं कक्षा पांचवीं व छठी के विद्यार्थियों ने डांस विद फन में क्रिसमस जुम्बा व जिंगल बेल आदि कैरल्स पर नृत्य प्रस्तुत कर समां बांधा। जीसस क्राइस्ट के जन्मदिवस के अवसर पर नर्सरी से यूकेजी के विद्यालय बर्थडे किड्स भाविका, प्रिशा, कार्तिक, डोयल, परेकशित, यश, आराध्य, कशिश, मेहर, आर्यन, हिमांक ने केक काट कर उत्सव का आनंद उठाया। लिटिल स्टार्स ने क्रिसमस के सभी सिंबल्स, वर्कशीट सैंटा, क्रिसमस ट्री रेनडियर आदि में रंगभर अपना प्यार दर्शाया। प्रधानाचार्या ममता मलिक ने विद्यार्थियों को क्रिसमस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रेम का संदेश देने वाले इस त्योहार से हमें दयालुता, प्रेम, सद्भावना की सीख मिलती है। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक सुरेन्द्र मलिक, उपप्रधानाचार्या मशेनका सहित सीमा, रेखा, हर्ष, ज्योति, दीपमाला, रितु, रवनीत, नीलम, पुरुषार्थ व राहुल उपस्थित रहे।

वेद मॉडल स्कूल में मनाया गया राष्ट्रीय गणित दिवस

रोहतक। कलानौर स्थित वेद मॉडल इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन दो वर्गों में हुआ। कक्षा छठी से आठवीं व नौवीं से बारहवीं तक आठ टीमों के 32 बच्चों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रश्नोत्तरी में कक्षा 6 से 8 तक के वर्ग में विजडम सदन की टीम प्रथम रही। टीम में मानवी, समर, मनीब व शिवांसी शामिल रहे। वहीं विक्टरी सदन ने दूसरा स्थान हासिल किया। कक्षा 9वीं से 12वीं तक की प्रतियोगिता में रामानुजम टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसमें तुषार बंसल, प्रीत बंसल, चाहत व एंजल शामिल रहे। इस वर्ग में आर्यभट्ट की टीम दूसरे स्थान पर रही। डायरेक्टर उर्मिल व स्कूल प्रिंसिपल उषा रानी ने प्रतिभागी बच्चों के साथ-साथ गणित अध्यापक दीपक गोयल, रीतु, गोबिंद को बधाई दी।

प्रश्नोत्तरी में इंडस पब्लिक स्कूल प्रथम

रोहतक। दा आर्यन ग्लोबल विद्यालय में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के सम्मान में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष्य में गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें ग्यारह स्कूलों ने भाग लिया। इंडस पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं द्वितीय स्थान आरपीएस स्कूल तथा एमडीएन स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य आरके खन्ना ने विजेता टीमों को बधाई दी व विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्टेपिंग स्टोन्स स्कूल में मनाया क्रिससम

रोहतक। सनसिटी सेक्टर 36 ए स्थित स्टेपिंग स्टोन्स स्कूल में क्रिसमस दिवस का आयोजन बड़ी धूमधाम और बड़े हर्षोल्लास के किया गया। क्रिसमस समारोह के दौरान स्कूल के हॉल हंसी, कैरोल्स और उत्सव की खुशी से गूंज उठे। लाल रंग की पोशाक में प्रसन्नचित्त व्यक्ति, सांता क्लॉज ने स्टेपिंग स्टोन्स स्कूल का विशेष दौरा किया। छात्रों को अपनी इच्छाएं साझा करने, चॉकलेट प्राप्त करने और सांता के साथ यादगार पलों को कैद करने का अवसर मिला। छात्रों ने पारंपरिक नृत्य और नाटक प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

स्पोर्ट्स मीट का हुआ आयोजन

रोहतक। विकल्प पब्लिक स्कूल में एनुअल स्पोर्टस मीट का आयोजन किया गया। एथलेटिक मीट का शुभारंभ स्कूल प्रबंधन कमेटी के निदेशक सुखबीर द्वारा किया गया। कक्षा नर्सरी से आठवी तक के विद्यार्थियो के लिए बैलेंस, हर्डल, लेमन एवं स्पून, पी काक, पजल, बैंक, स्लो साइक्लिंग रेस आदि का आयोजन किया गया। इसके अलावा बास्केटबॉल, खो-खो, टग ऑफ वार, शोट पुट, लोग जम्प, 200 मीटर व 400 मीटर रेस का भी आयोजन किया गया। विजेता विद्यार्थियो को गोल्ड, सिल्वर व ब्रॉन्ज मेडल व एपरीसियेशन सर्टिफिकेट्स भी वितरित किए। इस अवसर पर सहायक निदेशिका किरन खुराना, कोर्डिनेटर मंजु आदि उपस्थित रहे।

दुहन पब्लिक स्कूल में हुआ खेल सम्मेलन

रोहतक। दुहन पब्लिक स्कूल में खेल सम्मेलन में संस्कृत के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के छात्रों ने खेल प्रतियोगिताओं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान लीली सदन, लोटस सदन, जैस्मिन सदन व सनफ्लावर सदन ने परेड करे अपने शौर्य व देश भक्ति का अद्भुत परिचय दिया। सैक रेस, रोप स्किपिंग, रिले रेस, रस्साकसी, कंगारू रेस, अंडर चेयर रेस, केरट बनी रेस, हर्डल रेस आदि में सभी खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हरियाणवी नृत्य, पंजाबी भांगड़ा, जुंबा नृत्य की प्रस्तुती ने सभी का मन मोह लिया। इंग्लिश ड्रामा आकर्षण का केंद्र रहा।

निबंध लेखन में नैंसी व पोस्टर में रश्मि प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्म दिवस पर राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक ने की। प्रतियोगिता गत दिवस गर्वमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल भिवानी रोड स्कूल में आयोजित की गई। जिसमें जिले के 152 छात्रों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने निबंध व पोस्टर मेकिंग आदि गतिविधियों में भाग लिया। जिसमें अनूप सिंह, ममता, नेता, अंजू, राखी व अल्पना ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। निबंध प्रतियोगिता में पहला स्थान नैंसी, दूसरा स्थान सोनम व तीसरा स्थान सोनी ने हासिल किया।

नवीन बोले, बाग से उनकी और उनके साथियों की हजारों अच्छी यादें जुड़ी

जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद ने बाग को खाली किया

- जयहिंद ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का जिक्र करते हुए कहा कि पंजाब एवं हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट में जब ये मामला पहुंचा तो कोर्ट ने सरकार के हक में फैसला दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद लंबे अरसे के बाद बाग की जमीन को शनिवार को खाली कर दिया। नवीन ने पत्रकारवार्ता में कहा कि वे इस बात के लिए बाग के मालिक एडवोकेट राजबीर राठी, सुखबीर राठी, महाराज सिंह और उनके परिवार के आभारी हैं, जो उन्होंने इतने समय तक उनके साथ दिया। वे नहीं चाहते कि परिवार को किसी भी तरह की कोई समस्या आए। नवीन ने कहा कि इस बाग से उनकी और उनके साथियों की हजारों अच्छी यादें जुड़ी हुई हैं, चाहे वह कोरोना काल हो या फिर हरियाणा के बुजुर्गों, दिव्यांगों और बेरोजगारों की आवाज उठाने का संघर्ष हो।

रोहतक। बाग से अपना सामान निकालते हुए नवीन जयहिंद। फोटो :हरिभूमि

जयहिंद ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का जिक्र करते हुए कहा कि पंजाब एवं हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट में जब ये मामला पहुंचा तो कोर्ट ने सरकार के हक में फैसला दिया और कहा कि जो सरकार इस जमीन के साथ करना चाहे कर सकती है। इसलिए अब वे इस बाग को छोड़ रहे हैं।

नवीन ने बताया कि उन्होंने लंबे समय से भर्तियों के लिए तरस रहे बेरोजगारों के लिए बेरोजगारों की बारात निकालकर सीईटी की भर्ती निकलवाई थी और पुलिस भर्ती का रिजल्ट जारी करवाया था। पुलिस के कर्मचारी, एसपीओ गार्ड और होमगार्ड के कर्मचारियों के लिए आवाज उठाई थी। खिलाड़ियों के लिए खेल कोटा बहाल करवाया था। रोहतक पीजीआई में हो रही बाहरी लोगों की भर्तियों के खिलाफ आवाज उठाई और केस दर्ज हुआ व जेल गए। जयहिंद ने पहरावर की जमीन के मुद्दे को भी उठाते हुए कहा कि यहीं से उन्होंने समाज को पहरावर की जमीन दिलाने की लड़ाई लड़ी थी और और उन पर केस दर्ज हुए थे। भाईचारे के लिए, नशे के खिलाफ व प्रदेश बेरोजगारों के लिए कावड़ यात्रा की शुरूआत थी से की थी।

खबर संक्षेप

युवाओं को उत्तम चरित्र अपनाने की शिक्षा दी

रोहतक। स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान दिवस पर आदर्श गुरुकुल सिंहपुरा-सुंदरपुर द्वारा धर्म जागृति यात्रा निकाली गई। यात्रा को गुरुकुल के प्रबंधक स्वरूप ने ओउम ध्वजा दिखाकर रवाना किया। यात्रा माता दरवाजा, भिवानी स्टैंड, रेलवे रोड, झज्जर रोड, बाबरा मोहल्ला आदि जगहों से होकर गुजरी। गुरुकुल के ब्रह्मचारियों ने लोगों को अपने जातिवाद, नशा, अलगाववाद की भावना से दूर रहने की प्रेरणा दी। जगह जगह व्यायाम, आसन, स्तूप निर्माण द्वारा शक्ति प्रदर्शन किया गया। युवाओं को उत्तम चरित्र अपनाने की शिक्षा दी।

मजदूर 27 को डीसी के दफ्तर पर करेंगे प्रदर्शन

रोहतक। मजदूरों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा (सीटू) के आह्वान पर 27 दिसंबर को उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। यूनियन के रोहतक ब्लॉक प्रधान संजीव सिंह और कोषाध्यक्ष धर्मदास ने मीटिंग में कहा कि मौजूदा सरकार श्रम कानून को तोड़कर मालिकों के पक्ष में कानून बना रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की गलत नीतियों के कारण निर्माण सामग्री की बढ़ती कीमतों के चलते निर्माण क्षेत्र में रोजगार घट रहा है।

शराब के दुष्परिणामों से अवगत करवाया

रोहतक। वैश्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन में प्राचार्या डॉक्टर तरुणा मल्होत्रा की अध्यक्षता में शराब निषेध जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से बच्चों को शराब से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। डॉक्टर तरुणा मल्होत्रा ने कहा कि युवा देश का भविष्य है उसे हर प्रकार से नशे से दूर रहना होगा। उन्होंने कहा इस मुहिम में सभी विद्यार्थी बढ़-चढ़कर भाग लें और सशक्त भारत बनाने में अपना योगदान दें।

मौसम में बदलाव, सुबह छाई धुंध तो शाम को बादल

रविवार को भी मौसम बदलने के आसार, ठंड में अलाव जला रहे लोग

कृषि वैज्ञानिकों का कहना कि सुबह धुंध और दिन में धूप आ रही है। इससे गेहूं की फसल को फायदा होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

पिछले कई दिनों से लगातार ठंड बढ़ रही है। आने वाले दिनों में सर्दी और बढ़ने जा रही है। हालांकि दिन में धूप निकलने से अभी कड़ाके की सर्दी से राहत बनी हुई है। सुबह और देर रात के समय हल्की धुंध हो रही है। शनिवार को मौसम में ज्यादा बदलाव नजर आया। सुबह धुंध, दोपहर को हल्की धूप तो शाम को बादल छा गए। जिसे ठंडक और बढ़ गई। मौसम विभाग का कहना है कि रविवार को भी मौसम बदलने के आसार हैं। अगर बूंदाबांदी होती है तो इससे रबी फसलों को विशेष फायदा पहुंचेगा। हालांकि धुंध बढ़ने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

कृषि वैज्ञानिकों का कहना कि सुबह धुंध और दिन में धूप आ रही है। उसे गेहूं की फसल को फायदा मिल रहा है। ऐसा मौसम गेहूं की फसलों के लिए लाभदायक माना जा रहा है। वहीं फसल अच्छे ढंग से पक रही है। बारिश होती है तो सरसों की फसल को भी फायदा होगा क्योंकि फसल में फूल बने हुए हैं। माना जा रहा है कि आने वाले एक माह से ज्यादा समय तक मौसम में सर्दी का असर देखने को मिलेगा।

गाड़ी चालकों को होगी परेशानी

सर्दी बढ़ना बेसक फसलों के लिए अच्छा माना जा रहा है, लेकिन ऐसा होने से वाहन चालकों को परेशानी आने वाली है। सुबह और रात को धुंध होने की वजह से सड़क पर दिखाई देना कम हो जाता है जिससे हादसे होने का अंदेशा बना रहता है। धुंध की वजह से कई सड़कों पर हादसे होने भी शुरू हो गए हैं। इसलिए वाहन चालकों को पहले से और ज्यादा सावधानियां बरतनी होंगी। कई जगह अचानक दृश्यता कम हो जाती है।

अलाव का सहारा ले रहे लोग

लोग ठंड से बचने के लिए आग का सहारा लेने लगे हैं। शहर में कई जगह लोग अलाव जलाते हुए देखे जा रहे हैं। लोग कायले और लकड़ी के गुटके भी खरीद रहे हैं। रात को लोगों को भी सर्दी में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इंडस स्कूल में अंतर्सदनीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

- विद्यार्थियों ने व्हील बैरो रेस, लैमन रेस, स्टैपिंग स्टोन रेस, सैक रेस, बैलून रेस आदि में बेहतर प्रदर्शन किया
- प्रतियोगिता में ब्यास सदन ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल में कक्षा तीसरी से नवमी तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के चारों सदनों ब्यास, झेलम, रावी व सतलुज के विद्यार्थियों ने उत्साह व रूचिपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने व्हील बैरो रेस, लैमन रेस, स्टैपिंग स्टोन रेस, सैक रेस, बैलून रेस आदि में बेहतर प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में ब्यास सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं रावी सदन के अक्ष यादव ने बैस्ट महाराजा पौशाक में ट्रॉफी जीती। सतलुज सदन के ग्रुप से छात्रा अम्बिका महारानी रेस में प्रथम स्थान पर व रावी सदन की सुनीति ने बैस्ट महारानी पौशाक की ट्रॉफी हासिल की। विद्यालय की डायरेक्टर प्रधानाचार्या डॉ. सुषमा झा ने सभी विजेता छात्रों को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि कक्षा तीसरी से छठी तक के विद्यार्थियों ने क्रिसमस का त्योहार मनाया। सभी छात्रों ने एक-दूसरे को प्रेमपूर्वक उपहार भेंट किए। विद्यार्थी सान्ता क्लॉज की टोपी पहने हुए बहुत ही आकर्षक लग रहे थे। उन्होंने कहा कि क्रिसमस बच्चों के लिए उदारता सीखने का एक अवसर है। विद्यालय की निदेशिका डॉ. एकता सिंधु ने अपने संदेश में विद्यार्थियों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि क्रिसमस हमें शांति और सद्भावना का संदेश देता है व सभी जीवों पर दया करना सिखाता है। विद्यार्थियों को आपसी मतभेद भुलाकर मानवता का सम्मान करना चाहिए।

गीता उपदेश की सार्थकता उसको जानकर, उसका पालन करने से

रोहतक। हरि ओम सेवादल द्वारा गीता जयंती के पावन अवसर पर एक मिनट एक साथ गीता पाठ कार्यक्रम का आयोजन पीजीआई में किया गया। महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरी एवं समाज सेवी राजेश जैन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्वामी विश्वेश्वरानंद ने कहा कि हर व्यक्ति को हमेशा गीता पाठ करना चाहिए। राजेश जैन ने कहा कि गीता उपदेश की सार्थकता उसको जानकर, उसका पालन करने से है। यदि गीता पढ़कर उसे पर अमल किया जाए तो लड़ाई, झगड़ा, युद्ध ना हो। इस मौके पर विश्व शांति के लिए प्रार्थना की गई व पर्यावरण एवं स्वच्छता का ध्यान निरंतर रखने का संदेश दिया गया। हरिओम सेवा दल के प्रधान डॉक्टर शर्मा ने बताया कि पीजीआई क्षेत्र में सभी को गीता के महत्व के साथ तीन श्लोक के पंपलेट देकर पढ़ने के लिए कहा गया। इस अवसर पर मेडिकल सुपरीटेंडेंट डॉक्टर कुंदन मित्तल, डॉ. प्रवीण मल्होत्रा, डॉ. दिनेश शर्मा, तिलक जुनेजा, हरिओम सेवादल संस्थापक सदस्य विजय खुराना आदि मौजूद रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के अटायल, गांधरा सुन्दरपुर और भगवतीपुर में कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीब, महिला, किसान व युवाओं को मजबूत करने के लिए प्रयासरत है। भारत को 2047 तक विकसित बनाने के उद्देश्य से देशभर में विकसित भारत संकल्प यात्राएं निकाली जा रही है। सभी नागरिक देश को विकसित बनाने का संकल्प लेकर अपना पूरा योगदान दें। रामचंद्र जांगड़ा शनिवार को गांव भगवतीपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। इसके अलावा गांव सुन्दरपुर में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सीनियर डिप्टी मेयर राजकमल सहगल, नरेंद्र खट्टर व राधा अहलावत शामिल हुए और लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने को कहा। उन्होंने कारगिल युद्ध में शहीद हुए लांस नायक विजय सिंह कुंडू की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में जिला परिषद की चेयरपर्सन मंजू हुड्डा, रेनू डाबला, सुनील चेयरमैन, राजबीर कार्य, नवीन ढुल, मदन मोहन गोयल आदि मौजूद रहे।

अटायल आ गांधरा में कार्यक्रम

इसके अलावा विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम अटायल व गांधरा में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की संयुक्त सचिव डॉ. वंदना जैन ने कार्यक्रम का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। इन कार्यक्रमों में वरिष्ठ नेता सतीश नांदल ने केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार की गारंटी वाली गाड़ी वंचित लोगों को मौके पर योजनाओं का लाभ दिलवा रही है। डॉ. दिनेश धिलौड़ ने कहा कि सरकार लोगों के घर द्वार पर पहुंच कर उन्हें योजनाओं का लाभ दे रही है ताकि गरीब व्यक्तियों का जीवन स्तर सुधर सके।

सिख धर्म के अनेक गुरुओं ने देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिए

रोहतक। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष सरदार इकबाल सिंह लालपुरा ने कहा कि हमें अपने बच्चों को अपना इतिहास पढ़ाना है ताकि उन्हें महापुरुषों द्वारा दी गई कुर्बानियों की जानकारी मिल सके। सिख धर्म के अनेक गुरुओं ने अपने धर्म व देश की रक्षा के लिए अनेक सर्वोच्च बलिदान दिए हैं। सरदार इकबाल सिंह लालपुरा डीएलएफ कॉलोनी स्थित शहीद बाबा बंदा सिंह बहादुर पार्क में आयोजित वीर बाल दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि उपस्थितगण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस सिखों के दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्रों के बलिदानों और वीरता को याद करने के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर सांपला के उपमंडलाधीश सुभाष चंद्र जून, सरदार मुकंद सिंह, विश्व हिन्दू परिषद के सुरेंद्र जैन, सतीश कत्याल, शिव शंकर पाहवा, प्रीतम भ्याना, सरदार राम सिंह हंस, बलदेव मिगलानी, सन्नी हंस, महंत परमजीत सिंह, सरदार दिलबाग सिंह महंत व कुलविंद्र सिक्का आदि मौजूद रहे।

खेती व मिट्टी का बचाव जरूरी : व्यास

रोहतक। विश्व जैविक दिवस पर शनिवार को अजायब गांव के धत्तरवाल फार्म हाउस पर हवन व भंडारे का आयोजन किया गया। विश्व जैविक दिवस के प्रणेता प्रवीण धत्तरवाल विशेष रूप से उपलब्ध रहे। इस अवसर पर उत्तर क्षेत्र के संघचालक सीताराम व्यास मुख्य वक्ता के रूप में पहुंच। उन्होंने कहा कि खेती व मिट्टी को बचाना होगा। आज किसान वर्ग व खेती करने वाले प्रत्एक व्यक्ति को समझना होगा कि ज्यादा कीट-नाशक से उत्पादन तो ज्यादा हो सकता है, परंतु नागरिकों व मिट्टी को जो नुकसान होता है उसकी भरपाई नही की जा सकती। इसलिए हमें मिट्टी व खेती दोनों को बचाना होगा। इस अवसर पर स्वामी राघवेंद्र महाराज व शंकरानंद जी महाराज भी मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट रणवीर ढाका ने बढ़ते जहरीले कीट-नाशकों के उपयोग पर चिंता प्रकट करते हुए कहा कि हमें इस राष्ट्र को जहरीले कीट-नाशकों से बचाना होगा। धीरे-धीरे जैविक खाद का उपयोग बढ़ाकर इस समस्या से निजात पाई जा सकती है। जिला उपाध्यक्ष हरिओम मित्तल भाली ने सभी कहा कि सामूहिक प्रयास से ही इस विकराल होती समस्या से निजात मिलेगी।

बकाया वेतन नहीं मिलने तक जारी रहेगा धरना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वेतन न मिलने से नाराज वैश्य महिला महाविद्यालय के कर्मचारियों का धरना शनिवार को भी जारी रहा। कर्मचारियों ने कहा कि जब तक उन्हें वेतन नहीं मिलता वह प्रदर्शन करते रहेंगे। कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें वेतन मिले 5 महीने हो चुके हैं। इस कारण कर्मचारियों को भारी परेशानी हो रही है। संस्था के पदाधिकारियों की ओर से अभी तक वेतन देने की बजाए केवल आश्वासन ही दिया गया है। इससे शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारियों में रोष व्याप्त है है। कर्मचारियों ने कहा कि सभी कर्मचारी अब पिछले 5 महीनों का वेतन लिए बगैर धरने से नहीं उठेंगें। यह धरना सरकारी अवकाश एवं शीतकालीन अवकाश में भी जारी रहेगा। विजय लक्ष्मीचंद गुप्ता हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व महासचिव वैश्य एजुकेशन सोसाइटी ने कर्मचारीयों द्वारा दिए गए धरने का समर्थन किया।

अग्र बंधु का राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान : गुप्ता

- अग्रकुल देवी महालक्ष्मी मंदिर का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महाराजा अग्रसेन सेवा सदन ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक रुपया एक ईंट चौक स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में अग्रकुल देवी महालक्ष्मी मंदिर का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

इस अवसर पर हरियाणा विस के अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, मेयर मनमोहन गोयल मौजूद रहे। समारोह की अध्यक्षता भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अजय बंसल ने की। विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने मंदिर निर्माण के लिए स्वैच्छिक कोष से 31 लाख रुपये की धनराशि देने की घोषणा की। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि अग्रवाल समाज का राष्ट्र के निर्माण में अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि सामाज द्वारा जो अग्रकुल देवी महालक्ष्मी का मंदिर निर्माण करवाया जा रहा है, वह अपने आप में एक मिसाल है। इस महालक्ष्मी मंदिर के निर्माण के लिए समाज के लोगों ने जो एकजुटता दिखाई है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे सामाजिक कार्यो में हमेशा बढ़चढ़ कर भाग ले। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के लोगों को भी अतिथिगणों ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। स्कूली विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।महाराजा अग्रसेन सेवा सदन ट्रस्ट के संरक्षक एवं एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन, प्रधान सुशील गुप्ता, राकेश गोयल, नरेश गोयल व लोकेश जैन ने अतिथिगणों का स्वागत कर ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे कार्यो की जानकारी दी।

इस अवसर पर राजेश जैन, देशराज बंसल, राजीव जैन, सुशील गुप्ता, मुकेश गुप्ता, डॉ. चन्द्र गर्ग, भारत भूषण मित्तल, विनोद जैन, राजीव बेरिवाल, दीपक जिंदल, विकास कंसल, अजय गुप्ता, महेन्द्र अग्रवाल, सतीश बाबू गोयल, सुरेश गुप्ता, दीक्षित गोयल, सतीश गोयल झंझुआ, जम्बू जैन, ईश्वर सिंघल, डॉक्टर महेश गोयल, वी.के. जैन, विवेक जैन, डॉ. विपिन गुप्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

विस अध्यक्ष ने कैनाल रेस्ट हाउस में मीडिया कर्मियों से की बातचीत

उपराष्ट्रपति की मिमिक्री की घटना चिंताजनक: गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा के विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि हर निर्वाचित जनप्रतिनिधि का यह दायित्व बनता है कि वह संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों की गरिमा व सम्मान बनाए रखें। उन्होंने गत दिनों विपक्षी सांसद द्वारा उपराष्ट्रपति की मिमिक्री की घटना को दुखद व चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल के वरिष्ठ सांसद द्वारा इस घटना की वीडियो बनाकर वायरल करना उचित नहीं है।

विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता कैनाल रेस्ट हाउस में मीडिया कर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सभी संवैधानिक पदों की गरिमा व सम्मान बनाए रखें। उन्होंने कहा कि लोकसभा, राज्यसभा व विधानसभाओं के अध्यक्षों की यह जिम्मेदारी होती है कि वे इन सदनों की कार्रवाई सुचारू ढंग से संचालित करवाए। इसके लिए विभिन्न कानून बनाए गए हैं। इन सदनों की कार्यवाही में बार-बार खलल डालने वाले सदस्यों को निलंबित करने का प्रावधान है। किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा सत्ता पक्ष पर अनुचित दबाव डालकर अपनी बात मनवाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि गत दिनों संसद में घुसपैठ की घटना भी चिंताजनक है। विधानसभा सचिवालय द्वारा इस घटना पर संज्ञान लेते हुए सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की गई है।

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ।

विधानसभा में तीन स्तरीय सुरक्षा प्रबंधों को और मजबूत किया गया है तथा दर्शक दीर्घा में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा दर्शक दीर्घा के लिए अन्य आवश्यक कदम भी उठाने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे लोकतंत्र के मंदिर रूपी संसद व विधानसभा में मर्यादा में रहकर अपनी बात रखें।

विस को किया पेपरलेस

ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि हरियाणा विधानसभा को पेपरलेस किया गया है तथा उनके कार्यकाल के दौरान विधानसभा में पूछे जाने वाले प्रश्नों का चुनाव विधायकों की मौजूदगी में ड्रॉ के माध्यम से किया जाता है। गत विधानसभा स्तर में अपनी बात रखने इच्छुक सभी 64 विधायकों को बोलने का अवसर दिया गया। विधानसभा में उत्पादकता दर 103 प्रतिशत रही है तथा विधानसभा में ज्यादा कार्य दर्ज हुआ है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष होने के नाते उनका यह प्रयास रहता है कि सदन में प्रयोग किये गए अमर्यादित शब्दों को कार्रवाई से हटाया जाए। उन्होंने अयोध्या में निर्माणाधीन श्रीराम मंदिर को लेकर किए गए प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि यह करोड़ों देशवासियों की आस्था का प्रश्न है तथा आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम मंदिर में श्रीराम की प्राणप्रतिष्ठा होने से सनातनी विचारधारा में विश्वास रखने वाले लोगों की आस्था पूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि वे भी 1990 में श्रीराम मंदिर अभियान से जुड़े। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों की आस्था को मजबूत करने के लिए अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण, काशी विश्वनाथ मंदिर के बाद मथुरा में भी सनातनी परम्परा को मजबूत करने के लिए प्रयास किए हैं। इस अवसर पर मेयर मनमोहन गोयल, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अजय बंसल, जिलाध्यक्ष एडवोकेट रणबीर ढाका, सोमेश बंसल, वीर सिंह हुड्डा, राजरानी, ऋषिपाल, सुभाष, सुमिता, हरिओम भाली आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 24 दिसंबर 2023

क्रिसमस स्पेशल

ईसा मसीह का जन्मदिन सदियों से क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि लगभग सभी धर्मों के लोग दुनिया भर में इसे उल्लास से मनाते हैं। इस पर्व में निहित प्रेम और भाईचारे का संदेश ही वास्तव में सभी को एक-दूसरे से जोड़ता है, विश्व बंधुत्व की भावना के लिए प्रेरित भी करता है।

प्रेम-उल्लास का वैश्विक पर्व क्रिसमस

{ कवर स्टोरी / धीरज बसाक }

हर वर्ष 25 दिसंबर को दुनिया के हर कोने में क्रिसमस का पर्व मनाया जाता है। क्रिसमस का यह पर्व यूं तो ईसाई धर्म के प्रवर्तक ईसा मसीह के जन्मदिन की खुशी के रूप में ईसाई धर्म के अनुयायियों के द्वारा मनाया जाता है, लेकिन बहुत से गैर ईसाई लोग भी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने वाले इस पर्व को खुशी-उल्लास से मनाते हैं। अपने देश भारत में भी बड़े पैमाने पर सभी धर्मों के लोग क्रिसमस मनाने लगे हैं।

अरबों लोग मनाते हैं यह पर्व

अगर आंकड़ों के हिसाब से देखें तो दुनिया में करीब 2.20 अरब क्रिश्चियन हैं। वे सब तो भरपूर उल्लास के साथ क्रिसमस को सेलिब्रेट करते ही हैं, साथ ही करीब 50 करोड़ दूसरे धर्म के मानने वाले लोग भी इस पर्व को मनाते हैं। इस तरह दुनिया में क्रिसमस अकेला ऐसा पर्व है, जिसे करीब पौने तीन अरब से अधिक लोग मनाते हैं। दूसरे नंबर पर ईद का पर्व है, जिसे दुनिया भर के करीब 2 अरब लोग मनाते हैं।

शुरुआत के संदर्भ में मान्यता

क्रिसमस ईसाईयों का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। माना जाता है कि 25 दिसंबर को ही बैतलहम में मैरी और जोसेफ के घर जीसस क्राइस्ट का जन्म हुआ था। सन् 221 में एक ईसाई यात्री सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस ने पहली बार 25 दिसंबर यानी जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस के रूप में मनाया था। तभी से धीरे-धीरे ईसाई धर्म के अनुयायियों के बीच जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाना शुरू हुआ। सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस नामक इस ईसाई यात्री ने दूसरी सदी के अंत और तीसरी सदी की शुरुआत तक का इतिहास भी लिखा है।

होता है उमंग-उल्लास का माहौल

कई यूरोपीय देशों में 25 दिसंबर यानी क्रिसमस के दिन प्रभु यीशु से संबंधित वैसे ही झांकियां निकलती हैं, जैसे अपने देश में रामलीला के अवसर पर या गुरुपर्व पर झांकियां निकलती हैं। क्रिसमस एक ऐसा धार्मिक उत्सव है, जिसका आनंद सभी धर्मों के लोग लेते हैं, क्योंकि क्रिसमस को लेकर कट्टर धार्मिक आग्रह नहीं है। इसलिए यह त्योहार गैर ईसाई लोग भी पूरे मन से मनाते हैं। इस दिन लोग शाम के समय गिरिजाघर जाते हैं और मोमबत्ती जलाकर प्रार्थना करते हैं। बच्चों को खासतौर पर क्रिसमस का इंतजार इसलिए भी रहता है, क्योंकि 24 दिसंबर की रात में सांता क्लॉज की वेशभूषा में उनका कोई अपना या अंजान व्यक्ति आकर उन्हें चॉकलेट और दूसरे गिफ्ट्स देता है। इस दिन लोग 'क्रिसमस कैरोल' नामक एक खास तरह का गीत गाते हैं। इस मौके पर कई लोग एरोकेरिया नामक पौधे को छोटे-छोटे रंगीन गेंदों, बल्ब और खिलौनों से सजाते हैं, जिसे क्रिसमस ट्री कहा जाता है।

प्रेम-भाईचारे का देता है संदेश

वैसे तो यह पर्व प्रभु ईसा मसीह के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। लेकिन यीशु ने अपने अवतारी जीवन में प्रेम और करुणा के जिन उच्च मानवीय मूल्यों की महत्ता को स्थापित किया, वो उस काल में ही नहीं आज के दौर और हर युग में प्रासंगिक हैं। आज जब हर ओर हिंसा, दुख और तनाव का माहौल है, ऐसे में हम प्रभु यीशु के संदेशों को अपने जीवन में अगर अपना लें, तो ही वैश्विक शांति स्थापित हो सकती है और तभी क्रिसमस पर्व मनाने की सार्थकता होगी। *

जमकर की जाती है खरीदारी

जिस तरह से भारत में दीपावली का त्योहार खरीदारी का बहुत बड़ा मौका होता है, उसी तरह अमेरिका और यूरोप के देशों में सबसे ज्यादा शॉपिंग क्रिसमस के मौके पर होती है। बिग डे शॉपिंग जैसे कॉन्सेप्ट वास्तव में क्रिसमस पर होने वाली शॉपिंग की वजह से ही पॉपुलर हुए हैं। माना जाता है कि विश्व के उपभोक्ता बाजार को गति देने में और उसे महत्वपूर्ण बनाने में क्रिसमस शॉपिंग का बहुत बड़ा योगदान है। अनुमान के मुताबिक समूची दुनिया में क्रिसमस के मौके पर इतनी शॉपिंग होती है, जितनी समूचे अफ्रीकी देशों का वार्षिक बजट भी नहीं होता। इसलिए ना सिर्फ लोगों की खुशियों से बल्कि कारोबार की खुशियों से भी क्रिसमस का बहुत गहरा नाता है, इसलिए यह आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति का सबसे पसंदीदा पर्व भी है।

{ वर्ल्ड रिकॉर्ड / शिखर चंद जैन }

क्रिसमस पर लाखों लाइट्स से जगमगाता है यह अमेरिकी घर

अगर किसी गांव का कोई घर अपनी जगमगाहट के कारण गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो जाए तो अचरज होना स्वाभाविक ही है। यही नहीं इस अनूठे प्रकाशमान घर के कारण एक छोटा-सा अमेरिकी गांव क्रिसमस के अवसर पर चर्चित पर्यटन स्थल बन जाता है। इस गांव की आबादी तो लगभग 4,600 लोगों की है, लेकिन क्रिसमस के दौरान, इस अनोखे घर को देखने यहां 60,000 से अधिक पर्यटक आ जाते हैं।

जी हां, हम बात कर रहे हैं न्यूयॉर्क (अमेरिका) के ग्रामीण इलाके डचेज काउंटी के नियनवाले गांव में रहने वाले दंपति टिमोथी और ग्रेस गे के घर की। नियनवाले गांव के अंधेरे माहौल में उनका यह अनूठा घर दूर से किसी प्रकाश स्तंभ की तरह चमकता हुआ दिखता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि क्रिसमस के मौके पर टिमोथी-ग्रेस गे के इस घर में 7,20,420 बल्ब जलते हैं। ये बल्ब एक साउंड ट्रैक से जुड़े हुए होते हैं, जो करीब ढाई सौ गीतों की धुन पर बार-बार रंग बदलते हैं। इससे जगमगाहट से पूरा माहौल जादुई और बहुत आकर्षक लगता है। यहां एक तालाब भी है, दोनों किनारे पर लगे पेड़ों पर बंधी रस्सी में बड़ा सा ग्लोब, हार्ट, सितारे और इंद्रधनुष लटकाए जाते हैं। ये सभी आकृतियां भी रंग-बिरंगे बल्बों से बनी होती हैं। इनकी छाया जब तालाब के जल में पड़ती है तो देखने वाले को लगता है, मानो वह किसी मायालोक में आ गया है।

ऐसे हुई सजावट की शुरुआत: टिमोथी और ग्रेस गे (पति-पत्नी) ने सबसे पहली बार अपने इस घर को वर्ष 1995 में छोटे बल्बों से रोशन किया था। यह मौका था, उनके पहले बच्चे के जन्मोत्सव का। अपनी खुशी का इजहार करने के लिए इस दंपति ने अपने घर को 600 रंग-बिरंगे बल्बों से सजाया था। कुछ वर्षों बाद अपने शौक को बढ़ाते हुए उन्होंने अपने 1.7 एकड़ में फैले आवासीय परिसर के सामने तालाब के आस-पास मौजूद पेड़ों और झाड़ियां को भी मिनी बल्बों की झालर से सजा दिया।

बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड: हर साल घर सजाने के क्रम में वर्ष 2011 में टिमोथी-ग्रेस गे को पता चला कि ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले एक दंपति भी अपने घर को लाइटों से सजाते हैं और उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। उस दंपति से टिमोथी और ग्रेस गे सिर्फ कुछ बल्ब कम लगाते थे। यह जानकारी मिलते ही टिमोथी और ग्रेस गे ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम करने की ठान ली। इस तरह अगले ही साल वर्ष 2012 में उन्होंने यह वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल कर लिया। 2013 में वे पिछड़ गए थे, लेकिन उसके बाद 2014 से अब तक उनका ही नाम गिनीज बुक में दर्ज है। अपने इस अनूठे शौक के कारण इस दंपति की ख्याति राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गई है। टिमोथी-ग्रेस गे के साथ-साथ उनका गांव भी दुनिया भर में चर्चित हो गया है। *

{ अमेजिंग }

वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च

क्रिसमस के पर्व पर चर्च को बहुत शानदार तरीके से सजाया जाता है। इस अवसर पर प्रभु यीशु के जन्मोत्सव की खुशी में चर्च में बड़ी संख्या में लोग जुटकर प्रेयर करते हैं, कैरोल्स गाते हैं और एक-दूसरे को क्रिसमस विश करते हैं।

वैसे तो दुनिया भर में ईसाई धर्म के लोगों के लिए बड़ी संख्या में चर्च मौजूद हैं। लेकिन उनमें से कुछ चर्च अपनी विशिष्ट संरचना के कारण दुनिया भर में चर्चित हैं। इनमें से ही एक वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च भी है। यह चर्च रोमानिया देश के मारामुरेस काउंटी में सापांता गांव के पास सापांता पेरी मोनेस्ट्री में स्थित है। इस चर्च का नाम दुनिया के सबसे ऊंचे वूडेन चर्च के तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।

इस चर्च की ऊंचाई 78 मीटर यानी करीब 256 फीट है। चर्च की इमारत इतनी ऊंची है कि इसे पांच किलोमीटर की दूरी से देख सकते हैं। चर्च का निर्माण मारामुरेस शैली में हुआ है। चर्च के निर्माण में ऑक वुड (बतूल की लकड़ी) का इस्तेमाल हुआ है। ऑक वुड सबसे मजबूत मानी जाती है और लंबे समय तक टिकी रहती है। सापना पेरी मोनेस्ट्री में बना यह चर्च, वर्तमान में रोमानिया देश में ईसाई धर्मावलंबियों के सबसे लोकप्रिय स्थानों में शामिल है। *

प्रस्तुति : देवेंद्र पांडे

{ फेस्टिवल स्टोरी / योगेश कुमार गोयल }

क्रिसमस वाले दिन बच्चों को सांता क्लॉज का खासतौर से इंतजार रहता है। इस दिन वे बच्चों के लिए ढेर सारे उपहार और तरह-तरह के खिलौने लेकर आते हैं। सांता क्लॉज की वास्तविकता से जुड़ी कई कहानियां प्रचलित हैं।

दयावान-बच्चों के प्यारे सांता क्लॉज

क्रिसमस का नाम सुनते ही बच्चों के मन में सफेद-लंबी दाढ़ी वाले लाल-सफेद रंग की ड्रेस और सिर पर फुनगी वाली टोपी पहने पीठ पर खिलौनों उपहारों का झोला लादे बूढ़े बाबा 'सांता क्लॉज' की तस्वीर उभर आती है। बच्चे प्यार से सांता क्लॉज को 'क्रिसमस फादर' भी कहते हैं। सांता क्लॉज के प्रति ना केवल ईसाई समुदाय के बच्चों का बल्कि दुनिया भर में अन्य समुदायों के बच्चों का आकर्षण भी पिछले कुछ समय में काफी बढ़ा है। इसका एक कारण यही है कि विभिन्न शहरों में 25 दिसंबर के दिन सांता क्लॉज बने व्यक्ति विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर खड़े हर समुदाय के बच्चों को बड़े प्यार से उपहार बांटते देखे जा सकते हैं।

कौन है सांता क्लॉज : सांता के बारे में ढेरों कहानियां पढ़-सुनकर अधिकांश बच्चों के दिमाग में यह सवाल जरूर उमड़ता है कि उन्हें उपहार देने और इतना प्यार करने वाला यह सांता क्लॉज आखिर है कौन, यह कहां से आता है और बच्चों को उपहार क्यों देकर जाता है? बच्चों का दिल रखने के लिए कुछ माता-पिता उन्हें कह देते हैं कि वह एक देवदूत है, जो क्रिसमस की रात अपने 8 रेंडियर वाले स्लेज पर बैठकर स्वर्ग से आता है और बच्चों को उपहार बांटकर स्वर्ग वापस चला जाता है। जबकि कुछ बच्चों के पैरेंट्स यह कहकर उनकी जिज्ञासा शांत करते हैं कि सांता क्लॉज, बहुत दूर स्थित एक बर्फीले देश से आता है। वास्तव में सांता क्लॉज, चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर (जो अब तुर्किए के नाम से जाना जाता है) में जन्मे संत निकोलस का ही रूप है।

संत निकोलस बने सांता क्लॉज : प्राचीन कथा के अनुसार, संत निकोलस के पिता एक बहुत बड़े व्यापारी थे, जिन्होंने निकोलस को अच्छे संस्कार देते हुए दूसरों के प्रति सदा दयाभाव रखने और जरूरतमंदों की सहायता करने को प्रेरित किया। निकोलस पर इन सब बातों का इतना असर हुआ कि वह हर समय जरूरतमंदों की सहायता करने को तत्पर रहते। बच्चों से तो उन्हें खास लगाव था।

प्रचलित हैं कई कहानियां : सांता क्लॉज के बारे में कई अन्य कथाएं भी प्रचलित हैं। कहा जाता है कि एक बार निकोलस को मायरा के एक ऐसे व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली, जो बहुत धनवान था लेकिन कुछ समय पहले व्यापार में भारी घाटा हो जाने से वह कंगाल हो चुका था। उस व्यक्ति की चार बेटियां थीं लेकिन उनके विवाह के लिए उसके पास कुछ नहीं बचा था। यहां तक कि उसके परिवार के लिए तो खाने के भी लाले पड़ गए थे। जब उससे अपने परिवार की इतनी बुरी हालत नहीं देखी गई और लड़कियां विवाह योग्य हो गईं तो उसने फैसला किया कि वह इनमें से एक लड़की को बेच देगा और उससे मिले पैसे से अपने परिवार का पालन-पोषण करेगा तथा बाकी बेटियों का विवाह करेगा। अगले दिन अपनी एक बेटी को बेचने का विचार करके वह रात को सो गया लेकिन उसी रात संत निकोलस उसके घर पहुंचे और चुपके से खिड़की में से सोने के सिक्कों से भरा एक थैला घर में डालकर चले गए। सुबह जब उस व्यक्ति ने सोने के सिक्कों से भरा थैला पड़ा देखा तो वह बहुत आश्चर्यचकित हुआ। उसने ईश्वर का धन्यवाद करते हुए थैला अपने पास रख लिया और एक-एक कर धूमधाम से अपनी चारों बेटियों की शादी की। बाद में उसे पता चला कि यह थैला संत निकोलस ही उसके घर छोड़ गए थे। *

जुराब टांगने से जुड़ी कहानी

क्रिसमस के दिन कई बच्चे रात के समय अपने-अपने घरों के बाहर अपनी जुराबें टांग देते हैं। इसके पीछे मान्यता यह है कि सांता क्लॉज रात के समय आकर उनकी जुराबों में उनके मनपसंद उपहार भर जाएंगे। इस बारे में भी एक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि एक बार सांता क्लॉज ने देखा कि कुछ गरीब परिवारों के बच्चे आग पर सेंक कर अपनी जुराबें सुखा रहे हैं। जब बच्चे सो गए तो सांता क्लॉज ने उनकी जुराबों में सोने की मोहरें भर दीं और चुपचाप वहां से चले गए।

{ लघुकथाएं }

गरीब

रेलगाड़ी चल पड़ी थी। सभी यात्री कुछ ना कुछ करने लगे। कोई लेट गया, कोई मोबाइल देखने लगा तो कुछ आपसी गपशप में मशगूल हो गए। तभी दो युवक चना, गजक, रेवड़ी आदि बेचने के लिए आए। कुछ लोग उनसे मोल-भाव कर रहे थे, 'दो रुपए कम कर दो, पांच रुपए कम कर दो।' इस चक्कर में एक बूढ़ी महिला ने अपना सौ का नोट नीचे गिरा दिया। सामान बेचने वाले युवक रुपया उठाकर बूढ़ी महिला को देते हुए बोले, 'अम्मा, अपना पैसा संभाल कर रखो।' बूढ़ी महिला सहित बाकी लोग दोनों युवकों की ईमानदारी देखकर हतप्रभ थे। युवक अपना सामान बेचने के साथ रेलगाड़ी की सीट के नीचे अपनी पैनी नजर भी गड़ाए हुए थे। रेलगाड़ी जब एक स्टेशन पर रुकी तो दोनों युवकों ने सीट के नीचे पड़ा कचरा फटाफट एक थैले में भर लिया। 'ओह, कितने गरीब हैं दोनों। बेचारे कचरा जाकर बेचेंगे। इससे चार पैसों की और कमाई हो जाएगी।' एक यात्री ने दूसरे यात्री से कहा। तभी यात्रियों ने देखा, वे दोनों युवक रेलगाड़ी के डिब्बे से बाहर उतरे और सारा कचरा जाकर उन्होंने एक कूड़ेदान में डाल दिया। गाड़ी में बैठे खिड़की से देख रहे यात्रियों का चेहरा फक रह गया। वे सोच रहे थे, 'ये गरीब युवक तो बेहद समझदार निकले। नासमझ तो हम हैं, जो रेलगाड़ी के डिब्बे में गंदगी फैलाए हुए थे।' *

-हरीशचंद्र पांडे

गिफ्ट

आज क्रिसमस था। स्कूल में काफी चहल-पहल थी। तरह-तरह की प्रतियोगिताएं हो रही थीं। फैंसी ड्रेस कॉम्पिटिशन में छोटे-छोटे बच्चे सांता क्लॉज बनकर रेड कारपेट पर आते और अपनी झोली से टॉफियां निकालकर दर्शकदीर्घा में बैठे बच्चों की ओर उछाल देते। बच्चे टॉफियां कैच करके गप्प से मुंह में रख लेते। सभी बच्चों के चेहरे खुशी से खिले थे। लेकिन इन बच्चों के बीच बैठी नन्ही नीतू के चेहरे पर उदासी थी। स्कूल प्रिंसिपल की नजरों से वह बची नहीं।

कुछ देर बाद ही बच्चों के बीच में एक बड़ा सांता क्लॉज आया। वह सीधा नीतू के पास गया और बोला, 'हैलो नीतू, अपना गिफ्ट लो!' अपने सामने सांता क्लॉज को देखकर नीतू के चेहरे पर मुस्कान आ गई। लेकिन अगले ही पल नीतू के चेहरे की मुस्कान गायब हो गई। गिफ्ट लेने के लिए उसने बढ़ाए अपने हाथ पीछे कर लिए। यह देख सांता क्लॉज ने प्यार से नीतू के सिर पर हाथ रखकर कहा, 'नीतू बेटा, यह तुम्हारा ही गिफ्ट है।'

नीतू एकाएक रो पड़ी, बोली, 'नहीं.. नहीं.. मैं यह गिफ्ट नहीं ले सकती। घर पर मेरी मां बीमार हैं। मुझे गिफ्ट नहीं, मां के लिए दवाइयां चाहिए।' सांता क्लॉज बने प्रिंसिपल यह सुनकर मन ही मन बहुत दुखी हो गए। उन्होंने तुरंत जेब से अपना पर्स निकाला और नीतू को पांच-पांच सौ के चार नोट पकड़ा कर बोले, 'ये लो नीतू तुम्हारा नया गिफ्ट। अब जाकर मां के लिए दवाइयां खरीद लेना। हमारी प्रभु से प्रार्थना है, तुम्हारी मां जल्दी ठीक हो जाएं।' नीतू की आंखें खुशी से चमक उठीं। वह स्कूल गेट की ओर भागी ताकि सांता क्लॉज से मिले रुपयों से अपनी मां के लिए दवाएं खरीद सके। वहां बैठे लोग यह दृश्य देखते ही रह गए। *

-भूपसिंह 'भारती'

साल 2023 बीतने वाला है। इस बीत रहे वर्ष में राष्ट्रीय स्तर पर बहुत कुछ ऐसा घटित हुआ जो अभूतपूर्व था। कई ऐतिहासिक उपलब्धियां भी हमने हासिल कीं। विभिन्न क्षेत्रों में हासिल की गई उपलब्धियों और सफलताओं पर एक विहंगम दृष्टि।

उपलब्धियों के लिहाज से कैसा रहा साल 2023

फ्लैश बैक
लोकमित्र गौतम

चंद दिनों में ही साल 2023 इतिहास का हिस्सा बन जाएगा और इसी के ओझल होते कदमों से उम्मीदों से भरे साल 2024 की शुरुआत होगी। जब एक पूरा साल गुजरता है तो हम मुड़कर गुजरे हुए साल को जरूर एक बार देखते हैं। ठहर कर सोचने और समझने की कोशिश करते हैं कि यह साल कितना महत्वपूर्ण था या कि इसे हम और कैसे अपने लिए बेहतर बना सकते थे?

जनवरी: साल 2023 की शुरुआत में यानी जनवरी माह में सर्वोच्च न्यायालय की 5 जजों की एक संविधान पीठ ने भारत सरकार के विरुद्ध नोटबंदी के फैसले को चुनौती देने वाली एक दो नहीं पूरी 58 याचिकाओं को एक साथ खारिज कर दिया। जनवरी में कर्नाटक के देवनहल्ली शहर में केंद्रीय जासूसी प्रशिक्षण संस्थान ने कार्य करना शुरू किया। जनवरी 2023 में ही भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने 'इलेक्ट्रॉनिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट' परियोजना की घोषणा की, जिसका उद्देश्य आम वकीलों से लेकर कानून के छात्रों और आम जनता तक को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले तक पहुंचने की सुविधा प्रदान करना है।

साल के पहले महीने की अन्य कई महत्वपूर्ण घटनाओं में कैप्टन शिवा चौहान, सियाचिन ग्लेशियर में ऑपरेशनल उद्देश्य से तैनात होने वाली पहली महिला सैन्य अधिकारी बनीं। जनवरी 2023 में पूरे प्रांत में डिजिटल बैंकिंग सुविधा मुहैय्या कराने वाला केरल देश का पहला राज्य बन गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से बांग्लादेश होते हुए असम के डिब्रूगढ़ तक 3,200 किलोमीटर की दूरी तय करने वाले दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास को वाराणसी में हरी झंडी दिखाई। इसी जनवरी माह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन द्वारा अरुणाचल प्रदेश की सिओम नदी पर बनाए गए पुल का उद्घाटन किया।

रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास

सियाचिन ग्लेशियर पर कैप्टर शिवा चौहान

वेद वन पार्क, नोएडा, उत्तर प्रदेश

वातानुकूलित डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस, मुंबई

पैंगोंग फ्रोजेन लेक, लद्दाख के मैराथन विनर

फरवरी: इस साल फरवरी में पहली बार 20 फरवरी 2023 को लद्दाख के पैंगोंग त्सो झील में फ्रोजन लेक मैराथन आयोजित की गई। इसे गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में सबसे ऊंची फ्रोजन लेक का दर्जा मिला। इसी महीने मुंबई में पहली बार एक वातानुकूलित डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस की शुरुआत हुई और इसी महीने पहली बार केरल के त्रिशूर स्थित इरिंजादापल्ली श्री कृष्णा मंदिर में रमन नामक एक रोबोटिक हाथी को पेश किया गया, यह 11 फीट ऊंचा और 800 किग्रा. का है। इस साल फरवरी में ही केरल देश का पहला ऐसा राज्य बना, जहां सीवेज की सफाई के लिए रोबोटिक स्क्वेंजर 'बैंडीक्यूट' को लांच किया।

मार्च : मार्च 2023 में सुरेखा यादव एशिया महाद्वीप की पहली महिला लोकोमोटिव पायलट बनीं। सुरेखा यादव ने 13 मार्च को वंदे भारत एक्सप्रेस को सोलापुर से सीएसएमटी तक पटरी पर दौड़ाया। इसके साथ ही वह वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को चलाने वाली पहली महिला लोको पायलट भी बन गईं। मार्च के आखिर में राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल ने घोषणा की कि उसने पहली बार गाय की देसी नस्ल गीर का क्लोन बछड़ा पैदा किया।

अप्रैल: चुनाव आयोग ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पहली बार 'वोट फ्रॉम होम' की शुरुआत की, इसके तहत ऐसे व्यक्ति जो वोट डालने मतदान केंद्र तक नहीं जा सकते, उनके घर में वोट डालने की व्यवस्था की जाएगी।

मई: मई 2023 में भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मेघालय के जयंतियां हिल्स में दावकी भूमि बंदरगाह का उद्घाटन किया गया। इसी महीने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने लर्निंग मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम 'सक्षम' को लांच किया, जिसका उद्देश्य भारत में स्वास्थ्य पेशेवरों को उच्चस्तरीय चिकित्सा प्रशिक्षण प्रदान करना है।

अंडरग्राउंड ट्रांसफार्मर सेंटर, बेंगलुरु

जून: जून माह में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उत्तर भारत का पहला 'स्किन बैंक' खोला गया, जहां मृत व्यक्तियों की त्वचा दान की जाती है। जून 2023 में भारत 1.45 लाख किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ अमेरिका के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा राजमार्ग नेटवर्क वाला देश बन गया।

जुलाई: केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जुलाई माह में घोषणा की कि 1 जनवरी 2025 के बाद से सभी ट्रकों के केबिन अनिवार्य रूप से वातानुकूलित प्रणाली वाले होंगे। उत्तर प्रदेश के नोएडा में देश का पहला 'वेद वन पार्क' नामक वैदिक थीम वाला पार्क खोला गया, जहां 50,000 से ज्यादा औषधीय पौधे लगाए गए हैं। पार्क को वैदिककाल के साथ ऋषि मुनियों के नाम पर बांटा गया है।

अगस्त: 23 अगस्त 2023 को भारतीय समयानुसार शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रयान-3 की चांद की सतह पर सफल लैंडिंग हो गई। 25 अगस्त 2023 को कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दिल्ली में न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए टेली-लॉ और न्यायबंधु एप को एकीकृत करने वाला टेली-लॉ-2.0 लांच किया।

सितंबर: अमेजन इंडिया ने श्रीनगर की डल झील पर देश का पहला तैरता हुआ 'आई हैव स्पेस' स्टोर लांच किया। सितंबर 2023 में सांची भारत का पहला सोलर सिटी बन गया। सितंबर में ही बेंगलुरु में देश का पहला अंडरग्राउंड ट्रांसफार्मर सेंटर स्थापित किया गया। त्रिपुरा सरकार ने ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के लिए अलग से पिंक शौचालय निर्मित करने की घोषणा की।

अक्टूबर: 2 अक्टूबर 2023 को बिहार सरकार द्वारा जाति आधारित सर्वेक्षण को सार्वजनिक किया गया। यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल तमिलनाडु के ममल्लापुरम में स्थित तट मंदिर भारत का पहला हरित ऊर्जा पुरातत्व स्थल बन गया।

नवंबर: नवंबर माह में विराट कोहली ने एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इसी माह यूनेस्को द्वारा केरल के कोझीकोड को साहित्य का शहर और मध्य प्रदेश के ग्वालियर को संगीत का शहर घोषित किया।

दिसंबर: दिसंबर 2023 में अरुणाचल प्रदेश में दुनिया की सबसे ऊंची माउंटेन बाइक रेस शुरू की गई। दिसंबर में फोर्ब्स बिजनेस पत्रिका ने 2023 में दुनिया की 100 सबसे ताकतवर महिलाओं की लिस्ट जारी की, जिसमें चार भारतीय महिलाएं भी शामिल हैं। इसी महीने यूनेस्को ने गुजरात के गरबा नृत्य को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की मान्यता दी। वर्ष 2023 के इसी आखिरी महीने में युवा चेस प्लेयर वैशाली रमेश बाबू भारत की 84वीं ग्रैंडमास्टर बन गईं। *

खेल-खिलाड़ी 2023 / साशा

इस साल खूब चमके ये भारतीय खिलाड़ी

बीत रहा साल भारतीय खिलाड़ियों के लिए अभूतपूर्व सफलताओं और उपलब्धियों वाला रहा। इस साल कई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड्स बनाए। कुछ प्रमुख खेलों और खिलाड़ियों पर एक नजर।

विराट कोहली

इस साल आयोजित हुए आईसीसी एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम के हार जाने से भले एक अरब चालीस करोड़ भारतीयों का सपना टूट गया हो। लेकिन इसके अलावा 2023 ऐसा साल रहा, जब अलग-अलग प्रतियोगिताओं और खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया के खेल मैदानों में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरी।

एशियन-पैरा एशियन गेम्स: एशियाई खेलों के इतिहास में यह पहला साल रहा, जब भारत के खिलाड़ियों ने 100 पदकों के आंकड़े को पार किया। इस बार एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जब भारतीय खिलाड़ी जा रहे थे, तो हर तरफ यही लक्ष्य गूंज रहा था, 'अबकी बार 100 के पार'। भारतीय खिलाड़ियों ने ना सिर्फ इस लक्ष्य को पार किया, बल्कि उन्होंने एशियाई खेलों के इतिहास में पहली बार 107 मेडल जीते, जिसमें 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 40 ब्रांज मेडल रहे। चीन के होंगझाऊ शहर में भारतीय खिलाड़ियों ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। एक तरफ जहां इस साल भारतीय खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों में 107 पदक जीतकर ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम किया, वहीं इन्हीं के नक्शे कदम पर चलते हुए भारत के पैरा खिलाड़ियों ने भी पैरा एशियन गेम्स में 111 पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया।

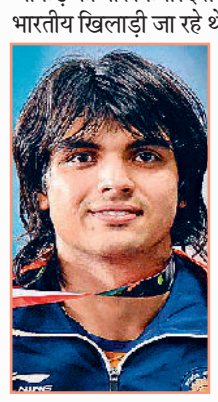
नीरज चोपड़ा

भाला फेंक : जहां तक भाला फेंक खेल की बात है तो इसमें नीरज चोपड़ा ने गोल्डेन ब्वॉय के रूप में अपनी पहचान को कायम रखा। इस साल नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक प्रतियोगिता में पहली बार भारत को वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल दिलाया। अब से पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने यह बड़ी उपलब्धि नहीं हासिल की थी। भाला फेंक प्रतिस्पर्धा में दुनिया के सबसे चमकदार सितारे नीरज चोपड़ा पूरे साल अपनी कामयाबी और प्रतिभा की रोशनी खेल आसमान में भरपूर तरीके से बिखेरते रहे।

एच एस प्रनॉय

रिले रेस : वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4x400 मीटर की रिले रेस में भारतीय टीम पांचवां स्थान ही पा सकी, लेकिन 2 मिनट 59.05 सेकेंड का समय निकालकर भारतीय टीम ने एशियन रिकॉर्ड स्थापित किया।

आर. प्रज्ञानंद

बैडमिंटन: इसी साल बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन चैंपियनशिप में एच एस प्रनॉय ने ब्रांज मेडल हासिल किया, जो कि अब से पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने नहीं हासिल किया था।

शतरंज: हालांकि इस साल 18 साल के आर. प्रज्ञानंद, शतरंज विश्व कप के फाइनल में हार गए, लेकिन जिस धमाकेदार अंदाज में वह फाइनल तक पहुंचे, उससे सारे टूर्नामेंट की लाइमलाइट उन्हें मिली। उन्हें दुनिया के सबसे होनहार शतरंज खिलाड़ी के रूप में नई पहचान मिली।

हरमनप्रीत कौर

क्रिकेट: इस साल भारत में आयोजित हुए क्रिकेट विश्व कप में विराट ने पहले, एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी की और फिर इसी विश्व कप में उन्होंने सचिन के रिकॉर्ड को पार भी किया। अब एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50 शतक विराट कोहली के नाम हैं। इसी साल आईबीएसए विश्व खेल 2023 में भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को फाइनल मुकाबले में 9 विकेट से हराकर स्वर्ण पदक जीता, तो ब्लाइंड पुरुष क्रिकेट टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल हरमनप्रीत कौर को विजडन क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर चुना गया, वह इस अवार्ड को पाने वाली पहली भारतीय महिला हैं। जबकि इसी साल विजडन टी-20 क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर सूर्यकुमार यादव को चुना गया, जबकि साल 2022 के लिए इसी साल रेणुका सिंह को आईसीसी इमर्जिंग वुमेन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है।

लिएंडर पेस

फुटबॉल: इस साल मनीषा कल्याण, एआईएफएफ महिला फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुनी गईं।

व्यक्तिगत उपलब्धियां: इस साल बहुत से भारतीय खिलाड़ियों को चमकदार व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल हुईं, जैसे- आईसीसी के हॉल ऑफ फेम में पहली भारतीय महिला क्रिकेटर डायना इदुलजी चुनी गई हैं, तो वर्ष 2023 के लिए पुरुष विश्व एथलीट ऑफ द ईयर के लिए नामांकित होने वाले नीरज चोपड़ा भारत के पहले खिलाड़ी बने हैं। अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम के लिए भारत के मशहूर टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस नामांकित होने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी हैं।

इस तरह देखें तो भारत भले अभी खेल महाशक्ति ना बना हो, लेकिन इतिहास में साल 2023 को उस टर्निंग प्वाइंट वाले साल के रूप में चिन्हित किया जाएगा, जहां से भारत ने खेलों की दुनिया की महाशक्ति बनने का सफर शुरू किया है। *

जलीय जंतु / देवेश प्रकाश

...ताकि विलुप्त ना हो जाए गंगा डॉल्फिन

हालांकि पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से लुप्त होती विशेष जीव प्रजातियों और बिगड़ते पारिस्थितिकी तंत्र पर चिंता जताई जा रही है। लेकिन साल 2023 में इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए, उनमें एक गांगेय या गंगा डॉल्फिन को बचाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 14 अक्टूबर 2023 को इसे राज्य जलीय जंतु घोषित किया जाना भी शामिल है। गौरतलब है कि इससे पहले 18 मई 2009 को भारत सरकार ने गंगा डॉल्फिन को भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया था।

बहुत विशिष्ट है डॉल्फिन : डॉल्फिन मछली नहीं बल्कि यह एक स्तनधारी जंतु है, मादा डॉल्फिन अपने बच्चे को दूसरी मादाओं की तरह दूध पिलाती है। मादा डॉल्फिन की नर डॉल्फिन से लंबाई थोड़ी अधिक होती है। डॉल्फिन की औसत उम्र करीब 28 साल तक रिकॉर्ड की गई है। गांगेय डॉल्फिन एक ऐसी लुप्तप्राय जीव प्रजाति है, जो अब भारत में सिर्फ गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों में बची है। गंगा नदी में पाई जाने वाली गांगेय डॉल्फिन एक नेत्रहीन जलीय जंतु है, जिसमें सूंघने की अपार शक्ति होती है। जन्मजात नेत्रहीन होने के कारण डॉल्फिन 'इकोलोकेशन' यानी प्रतिध्वनि निर्धारण की बदौलत पहचानकर अपने भोजन हेतु शिकार की तलाश करती है। इसे बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 'सोंस' भी कहते हैं।

गंगा नदी की शुद्धता का संकेतक : गंगा नदी में डॉल्फिन की मौजूदगी, उसके जल के शुद्ध और साफ होने की निशानी है। गंगा के पानी में अगर डॉल्फिन नहीं बच रही, तो इसका मतलब गंगा का पानी जलीय जीवों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसलिए इसको गंगा नदी के स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है।

कई नदियो में था इनका निवास : एक जमाने में गांगेय डॉल्फिन गंगा, यमुना, चंबल, घाघरा, राप्ती और गेरुआ जैसी नदियों में बहुतायत में पाई जाती थी। गंगा और उसकी सहायक नदियों की तरह ही यह ब्रह्मपुत्र-मेघना और संगु-कर्णफुली नदियों में भी पाई जाती थी। यही नहीं यह भारत, बांग्लादेश और नेपाल की तरह भारत से होकर पाकिस्तान में बहने वाली सिंधु नदी में भी बड़ी संख्या में मौजूद थी। लेकिन इसका अस्तित्व अब गंगा नदी के कुछ इलाकों में ही बचा है। एक सरकारी आंकड़े के मुताबिक वर्तमान में इसकी आबादी करीब 2,000 रह गई है।

आबादी घटने के कारण : एक समय था जब गंगा नदी में लाखों की तादाद में डॉल्फिन हुआ करती थीं, लेकिन जैसे-जैसे गंगा में जल प्रदूषण बढ़ा, बांध बनें और तस्करों ने अपने कारोबारी फायदे के लिए इनका शिकार करना शुरू किया, तो तेजी से इनकी संख्या घटने लगी। साल 2009 में गंगा डॉल्फिन के खत्म होने से चिंतित होकर भारत सरकार ने इसे राष्ट्रीय जल जीव घोषित किया और इसके बाद से ही इसकी संख्या में थोड़ी वृद्धि हुई है। इस समय गंगा में उत्तर प्रदेश के नरोरा और बिहार के पटना साहिब, भागलपुर के सुल्तानगंज इलाकों में ही गांगेय डाल्फिन बची हुई है।

बचाव के उपाय: वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) और उत्तर प्रदेश वन विभाग डॉल्फिन की आबादी पर नजर रख रहे हैं। विशेषकर उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के गढ़ गंगा क्षेत्र में डॉल्फिन के जीवन और प्रजनन पर नजरें रखी जा रही हैं। गंगा डॉल्फिन के बचाव के लिए इसी वर्ष उत्तर प्रदेश में 'मेरी गंगा-मेरी डॉल्फिन 2023' अभियान की शुरुआत की गई। इनकी सुरक्षा के लिए मुजफ्फरपुर बैराज से लेकर नरोरा बैराज तक फैली गंगा नदी के किनारे डॉल्फिन की सुरक्षा और संरक्षण के विशेष उपाय भी किए गए हैं। हालांकि इससे पहले भी भारत सरकार ने 1972 के भारतीय वन्यजीव संरक्षण कानून के दायरे में गंगा डॉल्फिन को शामिल किया था। जब गंगा की सफाई के लिए मिशन क्लीन गंगा बनाया गया तो भी इसमें डॉल्फिनों को ध्यान रखा गया और इनकी वृद्धि के लिए योजना बनाई गई। *

शाहरुख खान को यों ही किंग खान नहीं कहा जाता, बढ़ती उम्र में भी उनका जलवा बरकरार है। इन दिनों वह अपनी नई फिल्म 'डंकी' को लेकर खूब चर्चा में हैं। अपनी फैमिली और फैंस को अपनी ताकत मानने वाले शाहरुख की बातें, उन्हीं की जुबानी।

मैं मुंबई बहुत बड़े सपने लेकर नहीं आया था : शाहरुख खान

अपनी जुबानी / आरती सक्सेना

शाहरुख खान का करियर ट्रैक बहुत ही शानदार रहा है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर में उतार- चढ़ाव नहीं देखे। आर्यन के गिरफ्तारी ने उन्हें तोड़कर रख दिया था। उनकी फिल्मों को भी बीच-बीच में असफलता मिली। लेकिन शाहरुख ने इन विपरीत स्थितियों का सामना किया और जल्द ही उभर कर कामयाबी की डगर पर आ गए। करियर की नई ऊंचाइयां छुईं। इस साल 2023 में उनकी सबसे पहले 'पठान' रिलीज हुई। इसके बाद 'टाइगर-3' और 'जवान' आई। 'पठान' और 'जवान' दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। किंग खान के नाम का डंका बजा। अब शाहरुख की इस साल की आखिरी फिल्म 'डंकी' भी रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। फिल्म की ओपनिंग बहुत शानदार रही है। शाहरुख को विश्वास है, यह फिल्म भी बड़ी सफलता हासिल करेगी। उधर शाहरुख की बेटी सुहाना खान की भी जोया अख्तर

फिल्म 'डंकी' में तापसी पन्नू, विक्की कौशल के साथ शाहरुख

की फिल्म 'द आर्चीज' से फिल्म करियर की शुरुआत हो चुकी है। अपनी बेटी सुहाना का भविष्य वह कैसा देखते हैं? बीता साल 2023 उनके लिए कैसा रहा? आने वाले नए साल 2024 को लेकर उनका क्या कहना है? करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बहुत-सी बातें शाहरुख खान ने एक मुलाकात में खुलकर कीं। पेश है ये बातें, उन्हीं की जुबानी-

मेरी हालिया रिलीज फिल्म 'डंकी': फिल्म 'पठान', 'टाइगर-3' और 'जवान' के बाद इस साल की मेरी चौथी फिल्म 'डंकी' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म के डायरेक्टर राजू हिरानी हैं, वह एक ब्रिलिएंट डायरेक्टर हैं। मैं उनके साथ हमेशा से ही काम करना चाहता था। मेरी यह इच्छा अब फिल्म 'डंकी' के साथ पूरी हुई। इस फिल्म में मेरे साथ तापसी पन्नू, बोमन ईरानी और विक्की कौशल हैं। इस फिल्म में देश के प्रति प्रेम को दर्शाया गया है। फिल्म की शूटिंग सऊदी अरब के साथ कई और कंट्रीज में हुई है। मुझे पर्सनली इस फिल्म में काम करके बहुत खुशी हुई, क्योंकि इस फिल्म में एक ऐसा संदेश है, जो हम भारतवासियों के हित में है। पूरी फिल्म मनोरंजन से भरपूर है। फिल्म को शुरुआती रेस्पांस बहुत जोरदार मिला है। मुझे यकीन है, फिल्म को बड़ी सफलता मिलेगी।

मेरा परिवार ही है मेरी ताकत : शाहरुख खान

ईश्वर, कर्म और किस्मत पर भरोसा : मैं मुंबई बहुत बड़े सपने लेकर नहीं आया था। मेरे सपने बहुत छोटे थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इंडस्ट्री में मुझे इतना सारा प्यार, नाम, शोहरत और पैसा मिलेगा। मेरा मानना है, अगर आपके कर्म अच्छे हैं तो हजारों मुश्किलों के बाद भी ईश्वर आपके लिए रास्ता निकाल देता है। अपनी मेहनत और किस्मत के साथ मुझे ईश्वर पर भरोसा है। मेरा मानना है, अगर हम ईश्वर और अपने आप पर भरोसा करते हैं तो रास्ते अपने आप बनते जाते हैं। हम यह भी जान लें कि ईश्वर का साथ ना हो तो किस्मत साथ नहीं देती है।

मेरी ताकत, मेरा परिवार और मेरे फैंस : एक एक्टर के लिए बहुत जरूरी है कि वह मानसिक रूप से खुश और संतुष्ट रहे। मेरे साथ ऐसा तभी होता है, जब मैं अपने पूरे परिवार को खुश देखता हूं। अगर मेरे परिवार का कोई भी मेंबर दुखी-परेशान है तो मैं अंदर से टूट जाता हूं, क्योंकि मेरा परिवार ही मेरी ताकत है, मेरी कमजोरी है। अपने परिवर के बिना मैं अधूरा हूं। मेरे प्रशंसक भी मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। आज उनके प्यार और विश्वास की वजह से ही मैं बड़ी सफलताएं पा सका हूं। मैं अपने प्रशंसकों के लिए जी-तोड़ मेहनत करने को तैयार रहता हूं, क्योंकि वे हैं तो ही मैं हूं। उनके प्यार के बिना मेरा कोई वजूद ही नहीं है। अपने मुश्किल वक्त में अपने प्रशंसकों का प्यार ही मुझे जिंदा रख पाया है। आज मैं जो कुछ भी हूं, सिर्फ और सिर्फ अपने फैंस की वजह से हूं।

मेरे दिल के करीब है, मेरी बेटी सुहाना : मेरी बेटी सुहाना मेरे दिल के बहुत करीब है। मैंने जब उसको फिल्म 'द आर्चीज' में एक्टिंग करते देखा तो बहुत खुशी हुई। मैं सिर्फ और सिर्फ उसी को देख रहा था। मुझे वह इतनी प्यारी लग रही थी कि मेरी नजर उस पर से हट ही नहीं रही थी। मुझे लगता है, सुहाना नेचुरल एक्ट्रेस है। वह आगे चल कर और अच्छी एक्टिंग कर सकती है। 'द आर्चीज' फिल्म में सुहाना बहुत ही खूबसूरत लगी है। मेरे छोटे बेटे अबराम ने भी हाल ही में अपने स्कूल फंक्शन में भाग लिया था। उसने भी बहुत अच्छा परफॉर्म किया, देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए।

बीता साल और आने वाला नया साल : 2023 मेरे लिए बहुत खास रहा, क्योंकि इस साल मेरी चार फिल्में 'टाइगर-3', 'पठान' और 'जवान' सिर्फ रिलीज ही नहीं हुईं बल्कि सुपरहिट रहीं। साल के आखिर में मेरी एक और फिल्म 'डंकी' भी रिलीज हो गई है। इसे दर्शकों का प्यार मिल रहा है। 2023 मेरे लिए यादगार साल साबित रहा। जहां तक आने वाले नए साल का सवाल है तो 2024 में मैं अपने अधूरे काम पूरे करूंगा। अपने सारे प्रशंसकों को नए साल की ढेर सारी शुभकामनाएं, इस संदेश के साथ देना चाहूंगा कि कभी भी वे जीवन में हार ना मानें, क्योंकि वक्त पलटते समय नहीं लगता, अगर बुरा वक्त आता है तो अच्छा वक्त भी आता है। *